राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 17 नवंबर 2026 वर्ष-9,अंक-282 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सीआरपीएफ पर हमला करने वाले 2 आतंकी ढेर

इनमें एक लश्कर कमांडर,जवानों पर 30 राउंड फायर किए थे

श्रीनगर (एजेंसी)। सीआरपीएफ पोस्ट पर तैनात जवानों पर 5 दिन पहले 30 राउंड फायर करने वाले दोनों आतंकियों को सेना ने कुलगाम जिले के लारू में मार गिराया। इस हमले में 3 जवान घायल हो गए थे। कश्मीर जोन पुलिस ने एक्स पर बताया कि मरने वाला आतंकी लश्कर-ए-तैयबा का घाटी में एकमात्र बचा कमांडर लतीफ भट और उसका साथी उमर है। मारा गया आतंकी लतीफ भट इस साल कुलगाम और अनंतनाग में हुए सिलसिलेवार हमलों में शामिल था। इनमें अनंतनाग के लाल चौक में पुलिसकर्मियों की हत्या और कुलगाम में दो प्रवासी मजदूरों की हत्या शामिल है। सेना के एक अधिकारी के मुताबिक, आतंकियों की जानकारी मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबलों की जॉइंट टीम ने इलाके में घेराबंदी की थी। तलाशी के



दौरान संदिग्ध ठिकाने के पास पहुंचते ही छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग कर दी। इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई। करीब 3 घंटे चली मुठभेड़ के बाद इन्हें मार गिराया। एनकाउंटर के दौरान सेना ने एनकाउंटर साइट के आसपास के स्कूलों से बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। सूत्रों ने बताया कि सीआरपीएफ की 46वीं बटालियन का दल नौपोरा अखरन इलाके में नियमित ड्यूटी पर तैनात था। इसी दौरान पैदल पहुंचे दो आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने तुरंत मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। इस दौरान घायल हुए तीनों जवानों को जीएमसी अनंतनाग में भर्ती कराया गया। घायलों में हेड कांस्टेबल सोमवीर सिंह, कांस्टेबल राकेश दास और कांस्टेबल संतोष चंद्रू शामिल हैं। संतोष चंद्रू पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं।

पोस्टर चस्पा होने के तीन दिन बाद आतंकी हमला

कश्मीर में वांछित आतंकियों के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई के बीच पोस्टर चस्पा होने के महज तीन दिन बाद कुलगाम में आतंकी हमला हुआ। श्रीनगर के लाल चौक समेत प्रमुख स्थानों पर रविवार को लश्कर-ए-ताइबा के स्थानीय आतंकी मोहम्मद लतीफ भट समेत चार वांछित आतंकियों के पोस्टर लगाए गए थे। बुधवार को कुलगाम के अखरन में सुरक्षाबलों के नाके पर हुई गोलीबारी में सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए। रविवार को प्रताप पार्क, लाल चौक और श्रीनगर के अन्य प्रमुख स्थानों पर लगाए गए पोस्टरों में कुलगाम के खेवान चद्दर निवासी मोहम्मद लतीफ भट के अलावा सोपोर के बिलाल अहमद मीर, मोहम्मद उमर मीर और बारामूला के आबिद कयूम लोन की तस्वीरें और पते सार्वजनिक किए गए थे। इसके तीन दिन बाद बुधवार दोपहर करीब 2.15 बजे मीर बाजार के पास अखरन (नौपोरा) में नाके पर आतंकियों ने गोलीबारी की। हमलावरों ने फेरन के भीतर हथियार छिपा रखे थे। जवानों की जवाबी कार्रवाई के बाद वे फरार हो गए।

बिलकिस बानो केस के 2 दोषियों की उम्रकैद निलंबित,सुप्रीम फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी,कहा-दोनों 17 साल से ज्यादा जेल में बिता चुके

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो गैंगरेप और हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे दो दोषियों को जमानत दे दी है। कोर्ट ने उनकी सजा पर निलंबित करते हुए कहा कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। इनमें से एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। कोर्ट ने दोनों को ट्रायल कोर्ट की ओर से तय शर्तों पर रिहा करने का आदेश दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने दोनों दोषियों बिपिनचंद्र जोशी और प्रदीप मोधिया की याचिकाओं पर सुनवाई की। दोषियों ने बॉम्बे हाईकोर्ट के 2017 के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने दोनों की उम्रकैद की सजा बरकरार रखी थी। सुनवाई के दौरान दोषियों के वकील सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने कहा कि दोनों 17 साल से ज्यादा समय जेल में बिता चुके हैं। एक दोषी का नाम एफआईआर में नहीं था और घटना के करीब 3 साल बाद उसे इस मामले में आरोपी



बनाया गया था। उन्होंने कोर्ट को यह भी बताया कि एक दोषी गंभीर रूप से दिव्यांग है। वहीं, केंद्र सरकार की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल राजा ठाकरे ने जमानत की मांग का विरोध किया।

संक्षिप्त समाचार

160 साल पुरानी कोठी में शिफ्ट होंगे डीके शिवकुमार

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार 160 साल पुराने और पुनर्निर्मित कुमार कृपा गेस्ट हाउस में रहने जा रहे हैं। इस गेस्ट हाउस का नाम बदलकर गंगा रख दिया गया है। सोमवार को डीके शिवकुमार के घर का पारंपरिक गृह प्रवेश समारोह हुआ। मुख्यमंत्री ने अपने परिवार के साथ, हिंदू परंपराओं और शास्त्रों के अनुसार धार्मिक अनुष्ठान और विशेष पूजा करने के बाद इस हेरिटेज में प्रवेश किया। ये अनुष्ठान रविवार रात को शुरू हुए, जिसमें परिवार के सदस्यों ने तैयारियों में हिस्सा



लिया। यह समारोह कार्तिक महीने के एक शुभ समय पर आयोजित किया जा रहा है। पूजा और अन्य अनुष्ठान कराने वाले पुजारियों के दल का नेतृत्व नोनाविनाकेरे के संत अज्जैया कर रहे थे। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए इमारत के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए। डीके शिवकुमार ने पूरी इमारत का जीर्णोद्धार इस तरह कराया है कि इसके मूल ऐतिहासिक ढांचे को कोई नुकसान न पहुंचे। 1880 में बनी यह दो मंजिला पत्थर की इमारत 14 एकड़ में फैली हुई है। इसमें 12 कमरे, एक बड़ा हॉल और एक रसोईघर है। इमारत के कमरों के नाम नदियों के नाम पर रखे गए हैं। यह इमारत मूल रूप से मैसूर के दीवान रहे सर के. शेषाद्रि अय्यर का निजी आवास था। भगवान कुमारस्वामी के परम भक्त होने के कारण उन्होंने इस आवास का नाम कृमार कृपा रखा था। बाद में मैसूर के महाराजाओं ने इस इमारत को खरीद लिया।

आंखें बंद करता हूं तो सामने दिखते हैं दादा

पुणे (एजेंसी)। दिवंगत एनसीपी नेता अजीत पवार की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि दादा का अचानक और असामयिक निधन एक ऐसी क्षति है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। उन्होंने अजित पवार के असामयिक निधन को न केवल महाराष्ट्र, बल्कि विशेष रूप से पुणे, बारामती, पिंपरी और चिंचवाड़ क्षेत्रों के लिए अपूरणीय क्षति बताया। गृह मंत्री ने कहा कि दादा का व्यक्तित्व इतना जीवंत और सकारात्मक



था कि आज भी अगर मैं अपनी आंखें बंद करूं तो मुझे दादा अपने ठीक सामने खड़े दिखाई देते हैं। उन्होंने कहा कि दादा केवल उनके करीबी मित्र ही नहीं थे, बल्कि सच्चे सहयोगी भी थे। उनके जाने से देश ने एक जननेता खो दिया है। दादा के राजनीतिक जीवन को याद करते हुए अमित शाह ने कहा कि दिवंगत एनसीपी नेता की कार्यशैली भविष्य के राजनीतिक नेताओं के लिए एक विश्वविद्यालय की तरह काम करेगी। अमित शाह ने अजित पवार के राजनीतिक और प्रशासनिक अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि उन्हें विकास की गहरी समझ थी। पंचायती राज, सहकारिता, कृषि और आधुनिक शहरी विकास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उन्हें व्यापक अनुभव हासिल था।

एसआईआर किसके इशारे पर हुआ, किसने बदला फॉर्म-6!

ज्ञानेश कुमार से 48 सवाल पूछने के लिए कांग्रेस पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग द्वारा दाखिल हलफनामे में वोट चोरी से जुड़े सवालों का कोई जवाब नहीं दिया गया है। कांग्रेस के अनुसार, इंडिया गठबंधन के नेताओं ने अब सुप्रीम कोर्ट से चुनाव आयोग से सीधे सवाल पूछने की अनुमति मांगी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कांग्रेस ने जानकारी दी कि उसने आयोग के सामने 48 सवालों की एक सूची रखी है। पार्टी की मांग है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, दो अन्य चुनाव आयुक्त और आईटी महानिदेशक व्यक्तिगत रूप से इन सवालों के जवाब दें। कांग्रेस द्वारा



जारी सवालों की लिस्ट में मुख्य रूप से यह पूछा गया है कि देशभर में एसआई कराने का निर्णय किसने लिया और फॉर्म 6 में बदलाव को किसने मंजूरी दी। इसके अलावा भी कई सारे सवाल हैं।

भारतीय सेना को अंदरूनी लोगों से है ज्यादा खतरा

एयरफोर्स चीफ ने बताया,इस साल हनी ट्रैप के 4 मामले

हनी ट्रैप के अलावा साइबर हमले से भी हो रही जासूसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एयरफोर्स चीफ आशुतोष दीक्षित ने कहा है कि विदेशी जासूसी नेटवर्क अब सिर्फ हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं। वे साइबर जासूसी और दूसरे तरीकों से भारतीय रक्षा क्षेत्र से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इसमें सोशल मीडिया पर प्यार में फंसाना, मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाना जैसे तरीके शामिल हैं। हालांकि, अंदरूनी लोगों के जरिए जानकारी लीक होने का खतरा भी ज्यादा है। 2026 में हनी ट्रैप के चार मामले सामने आए हैं। इनमें



नेवी के दो जवान, एक एयरफोर्स का विंग कमांडर और एक पूर्व सैनिक शामिल था। आशुतोष दीक्षित ने बताया कि इस तरह के खतरों से निपटने के लिए तकनीकी और संस्थागत स्तर पर कई उपाय किए गए हैं।

सरकारी क्षेत्र, सेना की लैब और निजी रक्षा कंपनियों के लिए भी सुरक्षा व्यवस्था पर काम हो रहा है। दीक्षित ने कहा कि निजी रक्षा कंपनियों को नेटवर्क के सुरक्षित इस्तेमाल और सही सॉफ्टवेयर चुनने के बारे में सलाह देने के लिए एक एजेंसी भी काम कर रही है।

कंपनियों को दी गई सलाह का पालन करना चाहिए। इससे ज्यादातर मामलों में साइबर सुरक्षा के खतरों से बचा जा सकता है।

भारत को बांटने की कोशिशें जारी, एकजुट रहें

मोहन भागवत बोले-अलगाववाद को बढ़ावा देकर रची जा रही है साजिश

जयपुर (एजेंसी)। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत को बांटने और लोगों में संघर्ष पैदा करने के प्रयास हो रहे हैं। उन्होंने अलगाववाद को बढ़ावा देने और छोटी पहचानों को बड़ा करने के प्रयासों पर चिंता जताई। भागवत ने ऐसे प्रयासों का मुकाबला करने के लिए एकता का आह्वान किया। भागवत रविवार को जोधपुर के शिकारपुरा स्थित श्री राजाराम आश्रम में थे। वह चार दिवसीय आरएसएस संगीत बैंड शिविर मरु निनाद 2026 के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत का उदय विश्व कल्याण के लिए महत्वपूर्ण है। कुछ ताकतें नहीं चाहतीं कि देश मजबूत बने। भागवत ने आरोप लगाया कि भारतीय समाज में विभाजन पैदा करने के प्रयास किए जा रहे हैं।



उन्होंने कहा कि लोगों को आपस में लड़ाने और संघर्ष पैदा करने की कोशिशें हो रही हैं। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि जो अंग्रेजों ने किया, वही अब शैतानी ताकतों की राजनीति के माध्यम से दोहराया जा रहा है। उन्होंने लोगों से अपनी साझा पहचान याद रखने और एकजुट रहने का आग्रह किया। भागवत ने कहा कि हमें संगठित रहना होगा ताकि हमारी शक्ति बनी रहे और धर्म की रक्षा हो।

अतीत के आक्रमण और शिक्षा- भागवत ने वर्तमान स्थिति को नाजुक बताया और लोगों से एक साथ खड़े होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि एक मजबूत भारत का अर्थ पूरे विश्व का कल्याण होगा। उन्होंने अतीत के विदेशी आक्रमणों का भी जिक्र किया। भागवत ने कहा कि भारतीयों ने हमेशा बाहरी हमलों का विरोध करने के लिए एकजुटता दिखाई है। आक्रमणकारियों ने हमारे सिस्टम को नष्ट कर अपनी शिक्षा प्रणाली थोप दी। इसके परिणामस्वरूप, जो लोग कभी समृद्ध थे, वे गरीब हो गए।

संगीत परंपरा और लत पर चेतावनी

आरएसएस प्रमुख ने विभिन्न प्रकार की लत के प्रति भी आगाह किया। उन्होंने कहा कि यह केवल नशीले पदार्थों तक सीमित नहीं है, बल्कि इंस्टाग्राम और फेसबुक जैसी लत भी है। भागवत ने आरएसएस की संगीत परंपरा के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि संगीत मनोरंजन के साथ-साथ साहस और आत्म-सम्मान को प्रेरित करने के लिए महत्वपूर्ण है। संगठन के संगीतकार पेशेवर नहीं हैं, बल्कि उनके प्रदर्शन भारतीय मूल्यों, अनुशासन और सामूहिक प्रयास का प्रतिनिधित्व करते हैं।

पीएम मोदी आसियान समिट के लिए फिलीपींस पहुंचे

एयरपोर्ट पर फूल माला पहनाकर स्वागत,आज ट्रम्प से मुलाकात करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिन के दौरे पर सोमवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला पहुंचे हैं। एयरपोर्ट पर उनका फूल-माला पहनाकर स्वागत किया गया। मोदी 17 नवंबर को 23वें आसियान-भारत समिट और 21वें ईस्ट एशिया समिट में शामिल होंगे। इस दौरान उनकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भी मुलाकात होगी। दोनों नेता क्वाड देशों की बैठक में साथ बैठेंगे। इसमें भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के नेता हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोग और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे।



चीन के बढ़ते प्रभाव पर चर्चा कर सकते हैं क्वाड देश- क्वाड में भारत,अमेरिका,जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इसकी शुरुआत 2007 में हुई थी, लेकिन चीन की नाराजगी की आशंका के चलते एक साल बाद इसकी बैठकें बंद हो गईं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने 2017 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान इसे फिर से शुरू किया। इसका मकसद हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करना और चारों देशों के बीच सहयोग बढ़ाना है। मनीला में होने वाली यह बैठक करीब दो साल बाद चारों देशों के नेताओं की पहली आमने-सामने बैठक होगी। ट्रम्प के दूसरे कार्यकाल में भी यह पहली क्वाड लीडर्स मीटिंग है। चीन के बढ़ते प्रभाव पर भी इस बैठक में बात हो सकती है। फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने मोदी को समिट में शामिल होने के लिए न्योता दिया है।

यूपी में ब्रेड से लेकर केक पेस्ट्री तक की होगी जांच

केमिकल और प्रतिबंधित रंगों के इस्तेमाल पर होगी कार्रवाई

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में ब्रेड, बिस्कुट, केक, पेस्ट्री, कुकीज, चॉकलेट और कैंडी बनाने व बेचने वाले कारोबारियों को अब खाद्य सुरक्षा के तय मानकों का सख्ती से पालन करना होगा। घटिया कच्चा माल, प्रतिबंधित रंगों का इस्तेमाल, अस्वच्छ तरीके से बनाए गए उत्पादों को लेकर भ्रामक दावे करने पर कार्रवाई होगी। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने बेकरी और कन्फेक्शनरी कारोबार के लिए स्टोरेज, उत्पादन, पैकेजिंग और बिक्री से जुड़े निर्देश जारी किए हैं। इनके तहत निर्माण इकाइयों के साथ कैफे और दुकानों के काउंटर भी जांच के दायरे में रहेंगे।



यूपी में सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से हो

राहुल गांधी बोले-हमें सबको साथ लेकर चलना होगा प्रियंका गांधी की अगुआई में पांच सदस्यीय टीम बनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों पर अगले साल होने वाले चुनाव को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर सोमवार को पार्टी बैठक हुई। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा- सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। बैठक में सपा से सीट शेयरिंग पर चर्चा करने के लिए कमेटी बनाई गई है। इसे प्रियंका गांधी



लीड करेंगी। कमेटी में केसी वेणुगोपाल, यूपी प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, यूपी के वर्किंग प्रेसीडेंट इमरान मसूद शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, बैठक में राहुल गांधी ने कहा- सपा हमारी महत्वपूर्ण सहयोगी है। सीटों का बंटवारा सम्मानजनक तरीके से होना चाहिए। सबको साथ लेकर चलना होगा। कांग्रेस ने सपा को करीब 181 विधानसभा सीटों की सूची सौंपी है। कांग्रेस ने ग्राउंड रिपोर्ट के आधार पर बड़ा दावा किया है।

आराधना मिश्रा बोलीं-सीट शेयरिंग पर अभी फैसला नहीं हुआ

बैठक से पहले कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना ने कहा कि 17 नवंबर को सपा के साथ सीट बंटवारे को लेकर बैठक होगी। उन्होंने कहा कि सीटों की संख्या पर अभी कोई फैसला नहीं हुआ है। इस बारे में पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा चल रही है और प्रदेश के नेताओं से सुझाव मांगे गए हैं। बैठक के बाद सीटों को लेकर स्थिति स्पष्ट होगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गोपाष्टमी : आस्था के बीच गौवंश के अस्तित्व और गौशालाओं की चिंता

(लेखक-कुमार कृष्णन)

गोपाष्टमी का पर्व आते ही भारतीय समाज में गाय के प्रति श्रद्धा और आस्था का भाव मुखर हो उठता है। कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी को मनाया जाने वाला यह पर्व गाय और बछड़ों की पूजा-अर्चना, सेवा तथा उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। भारतीय कृषि और ग्रामीण जीवन में गाय का ऐतिहासिक महत्व रहा है। उसने केवल दूध ही नहीं दिया, बल्कि खेती-किसानी, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पारिवारिक जीवन को भी सहारा दिया है। भारतीय लोकजीवन में गाय का स्थान इसी कारण विशेष रहा है। लेकिन गोपाष्टमी के अवसर पर एक सवाल हमारी सामूहिक चेतना के सामने खड़ा होता है—जिस गाय की हम पूजा करते हैं, क्या उसके अस्तित्व, जीवन और सम्मान की रक्षा भी करते हैं?

धार्मिक अनुष्ठानों में गाय को तिलक लगाया जाता है, फूलों की माला पहनाई जाती है और उसे गुड़ तथा हरा चारा खिलाया जाता है। मंदिरों और गौशालाओं में विशेष आयोजन होते हैं। लोग गौसेवा का संकल्प लेते हैं। लेकिन पर्व समाप्त होते ही क्या यह संकल्प भी समाप्त हो जाता है? क्या हमारी चिंता उन गायों तक पहुंचती है, जो सड़कों पर कचरे के ढेर में भोजन तलाशती हैं, प्लास्टिक खाती हैं, दुर्घटनाओं का शिकार होती हैं या गौशालाओं में पर्याप्त चारे और पानी के अभाव में जीवन बिताती हैं? यह सवाल इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि आज गौवंश का अस्तित्व केवल उपेक्षा और कुपोषण से ही नहीं, बल्कि बदलती कृषि व्यवस्था, देशी नस्लों के संरक्षण की कमी और पशुपालन के आर्थिक संकट से भी प्रभावित हो रहा है।

गौशालाओं की स्थिति इस प्रश्न को और गंभीर बनाती है। देश के अनेक हिस्सों में गौशालाएं धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं द्वारा संचालित हैं। कुछ संस्थाएं निष्ठा और समर्पण के साथ बेसहारा तथा बीमार पशुओं की देखभाल करती हैं। लेकिन कई स्थानों पर गौशालाओं के सामने संसाधनों की कमी, अपर्याप्त भूमि, चारे की अनुपलब्धता, पशु चिकित्सा सुविधाओं का अभाव और आर्थिक संकट जैसी समस्याएं हैं। कहीं पशुओं की संख्या उपलब्ध संसाधनों से अधिक है, तो कहीं स्वच्छता और उचित देखरेख की व्यवस्था कमजोर है। कई गौशालाओं में पशुओं को रखने की जगह तो है, लेकिन उनके लिए पर्याप्त भोजन, स्वच्छ पानी और नियमित चिकित्सा की व्यवस्था नहीं है।

गौशाला का अर्थ केवल गायों को एक परिसर में बंद कर देना नहीं है। उसका वास्तविक उद्देश्य पशुओं को सुरक्षित, स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है। इसके लिए पर्याप्त जगह, पौष्टिक चारा, स्वच्छ पेयजल, नियमित स्वास्थ्य जांच, बीमार पशुओं के लिए अलग व्यवस्था और प्रशिक्षित देखभालकर्ताओं की जरूरत होती है। यदि इन बुनियादी सुविधाओं का अभाव है तो गौशाला का अस्तित्व अपने उद्देश्य से भटक जाता है। गौशालाओं की सफलता का मूल्यांकन वहां रखे गए पशुओं की संख्या से नहीं, बल्कि उनकी सेहत, पोषण और जीवन की गुणवत्ता से होना चाहिए।

आज गौवंश के अस्तित्व पर मंडराता संकट एक व्यापक चिंता का विषय है। देशी गोवंश की अनेक नस्लों के संरक्षण का सवाल गंभीर होता जा रहा है। आधुनिक पशुपालन में अधिक दूध देने वाली नस्लों और संकर प्रजातियों पर बढ़ते जोर के बीच देशी नस्लों की पहचान, उपयोगिता और उनके संरक्षण को अपेक्षित प्राथमिकता नहीं मिल पा रही है। देशी नस्लें केवल पशुधन नहीं, बल्कि भारतीय कृषि, जलवायु और ग्रामीण जीवन के अनुभवों से विकसित हुई जैविक विरासत हैं। उनकी अनदेखी का अर्थ इस विरासत के एक महत्वपूर्ण हिस्से को खोने का खतरा भी है।

दूसरी ओर, खेती में मशीनीकरण, चरागाहों का सिमटना, पशुपालन की बढ़ती लागत और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में आए बदलावों ने गाय की पारंपरिक भूमिका को प्रभावित किया है। गांवों में कभी पशुओं के लिए सामुदायिक चरागाह और पर्याप्त खुली जमीन उपलब्ध होती थी। अब जमीन पर बढ़ते दबाव, शहरीकरण और अन्य उपयोगों के कारण चराई के पारंपरिक संसाधन लगातार सीमित हो रहे हैं। पशुपालकों के सामने चारा जुटाना भी कठिन होता जा रहा है। ऐसे में गौवंश का संरक्षण केवल धार्मिक भावना का विषय नहीं रह जाता, बल्कि भूमि, कृषि, पर्यावरण और ग्रामीण आजीविका से जुड़ा प्रश्न बन जाता है।

एक बड़ी समस्या उन गायों की भी है, जो दूध देना बंद कर देती हैं या उम्र और बीमारी के कारण आर्थिक रूप से अनुपयोगी समझी जाने लगती हैं। पशुपालन की व्यावसायिक व्यवस्था में जब किसी पशु की आर्थिक उपयोगिता समाप्त हो जाती है, तब उसके पालन-पोषण का प्रश्न खड़ा होता है। कई पशुपालक आर्थिक विवशता में ऐसे पशुओं को छोड़ देते हैं। परिणामस्वरूप वे सड़कों, खेतों और बाजारों में भटकती हैं। खेतों में खड़ी फसल को नुकसान पहुंचाने के कारण ग्रामीणों और किसानों के साथ उनका टकराव भी बढ़ता है। इस समस्या का समाधान केवल भावनात्मक अपील से नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्था से संभव है जिसमें पशुपालकों, स्थानीय निकायों और सरकार की जिम्मेदारी स्पष्ट हो।

शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं की समस्या भी इसी संकट का हिस्सा है। सड़कों पर घूमती गायें यातायात दुर्घटनाओं का कारण बनती हैं और स्वयं भी घायल होती हैं। कूड़े के ढेर से भोजन तलाशते हुए उनके पेट में प्लास्टिक और अन्य हानिकारक पदार्थ पहुंच जाते हैं। प्लास्टिक का सेवन उनके स्वास्थ्य और जीवन के लिए गंभीर खतरा बनता है। यह केवल पशु कल्याण का मामला नहीं, बल्कि शहरी प्रशासन, कचरा प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा से भी जुड़ा प्रश्न है। नगर निकायों को आवारा पशुओं के लिए सुरक्षित आश्रय, पशु चिकित्सा और चारे की व्यवस्था के साथ-साथ कचरा प्रबंधन को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

गौशालाओं की बदहाली के पीछे आर्थिक संसाधनों का संकट भी एक बड़ा कारण है। कई गौशालाएं दान और समाज के सहयोग पर निर्भर हैं। नियमित आय का स्रोत नहीं होने के कारण उनके सामने पशुओं के चारे, दवाइयों और कर्मचारियों के वेतन का खर्च उठाना कठिन हो जाता है। सरकारी अनुदान की व्यवस्था जहां उपलब्ध है, वहां उसकी पारदर्शिता और समय पर उपलब्धता भी महत्वपूर्ण है। केवल गौशाला खोल देना पर्याप्त नहीं है। यह देखना भी जरूरी है कि वहां कितने पशु हैं, उनके लिए कितनी जगह उपलब्ध है, उन्हें कितना चारा मिल रहा है और उनकी चिकित्सा की क्या व्यवस्था है।

सरकार की जिम्मेदारी है कि वह गौशालाओं के संचालन के लिए स्पष्ट मानक बनाए और उनका नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करे। अनुदान देने के साथ यह भी देखा जाना चाहिए कि धन का उपयोग वास्तव में पशुओं की देखभाल पर हो रहा है या नहीं। गौशालाओं की स्थिति, पशुओं की संख्या, स्वास्थ्य सुविधाओं और उपलब्ध संसाधनों की जानकारी सार्वजनिक होनी चाहिए। स्थानीय पंचायतों, नगर निकायों और पशुपालन विभाग के बीच समन्वय से इस व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। देशी नस्लों के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक प्रजनन कार्यक्रम, पशु चिकित्सा सुविधाएं और पशुपालकों को प्रोत्साहन भी जरूरी हैं। चरागाहों के संरक्षण और विकास को ग्रामीण विकास की योजनाओं से जोड़ा जाना चाहिए।

इसके साथ ही समाज की भूमिका को भी कम करके नहीं आंका जा सकता। गौसेवा केवल किसी धार्मिक आयोजन या दान तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। स्थानीय समुदाय नियमित रूप से गौशालाओं की स्थिति का जायजा ले सकते हैं। पशुओं के लिए चारा, पानी और दवाइयों की व्यवस्था में सहयोग कर सकते हैं। पशु चिकित्सकों और स्वयंसेवी संस्थाओं को इस काम से जोड़ा जा सकता है। विद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से बच्चों तथा युवाओं में पशुओं के प्रति संवेदनशीलता विकसित की जा सकती है। गौवंश के संरक्षण को सामाजिक सहभागिता और सार्वजनिक जवाबदेही से जोड़ना होगा।

गायों की देखभाल का सवाल कृषि व्यवस्था से भी जुड़ा है। भारतीय गांवों में पशुधन और खेती का रिश्ता पुराना रहा है। गोबर का उपयोग जैविक खाद के रूप में होता रहा है। पशुधन ग्रामीण परिवारों की आजीविका और कृषि की स्थिरता में योगदान देता है। लेकिन खेती की बदलती परिस्थितियों, छोटे होते जोत आकार, बढ़ती लागत और पशुपालन के व्यावसायीकरण ने इस रिश्ते को प्रभावित किया है। देशी गोवंश का संरक्षण जैव विविधता और कृषि की पारंपरिक समझ को बचाने से भी जुड़ा है। इसलिए गौसंरक्षण को केवल धार्मिक भावनाओं के दायरे में रखकर नहीं देखा जा सकता। इसे ग्रामीण अर्थव्यवस्था, टिकाऊ कृषि, जैव विविधता और पशु कल्याण की व्यापक नीति से जोड़ना होगा।

गोपाष्टमी का वास्तविक संदेश करुणा, सेवा और जिम्मेदारी है। किसी पशु के प्रति सम्मान का अर्थ केवल उसकी पूजा करना नहीं, बल्कि उसके जीवन की आवश्यकताओं को समझना भी है। भूखी गाय को भोजन देना, बीमार पशु का इलाज कराना, घायल पशु को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाना और गौशालाओं में बेहतर व्यवस्था के लिए जवाबदेही तय करना ही इस पर्व की भावना को सार्थक कर सकता है। देशी नस्लों को बचाना, चरागाहों को सुरक्षित रखना और बेसहारा पशुओं के पुनर्वास की व्यवस्था करना भी इसी जिम्मेदारी का हिस्सा है।

यह भी समझना होगा कि पशु कल्याण किसी धर्म या समुदाय विशेष का विषय नहीं है। यह मानवीय संवेदना और सामाजिक नैतिकता का प्रश्न है। गाय हो या कोई अन्य पशु, उसके प्रति क्रूरता और उपेक्षा को उचित नहीं ठहराया जा सकता। पशुओं के प्रति संवेदनशील समाज ही अपने भीतर करुणा और सह-अस्तित्व के मूल्यों को जीवित रख सकता है। धार्मिक आस्था तभी व्यापक सामाजिक अर्थ ग्रहण करती है, जब वह जीवों के प्रति व्यवहार में भी दिखाई दे।

गोपाष्टमी पर गाय के माथे पर तिलक लगाना अच्छी परंपरा है, लेकिन उससे बड़ा काम उसके जीवन को सुरक्षित बनाना है। फूलों की माला पहनाने से अधिक जरूरी है कि उसे भूखा न रहना पड़े। पूजा के दिन गुड़ खिलाने से अधिक महत्वपूर्ण है कि पूरे वर्ष उसे पर्याप्त चारा और स्वच्छ पानी मिले। देशी नस्लों के संरक्षण की चिंता, चरागाहों की रक्षा और गौशालाओं की जवाबदेही भी इस पर्व के संकल्प में शामिल होनी चाहिए। यदि गौशालाओं में गायें बीमार, भूखी और उपेक्षित रहें तथा देशी गोवंश के अस्तित्व पर संकट गहराता रहे तो हमारी धार्मिक आस्था और सामाजिक व्यवहार के बीच का विरोधाभास उजागर होता रहेगा।

इसलिए गोपाष्टमी केवल पूजा का पर्व बनकर न रह जाए। इसे गौवंश के अस्तित्व की रक्षा, देशी नस्लों के संरक्षण, गौशालाओं की वास्तविक स्थिति की समीक्षा और पशु कल्याण की व्यवस्था को मजबूत करने का अवसर बनाया जाना चाहिए। गाय के प्रति श्रद्धा का सबसे विश्वसनीय प्रमाण उसके जीवन की रक्षा है। पूजा तभी सार्थक होगी, जब उसके साथ सेवा और संरक्षण का संकल्प भी पूरे वर्ष निभाया जाएगा।

संपादकीय

मुश्किलों के डेटा सेंटर

आज चारों तरफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का हौवा नजर आता है, जिसके लिए मानव की नैसर्गिक प्रतिभा और जीवन के जरूरी अवयवों को नजरअंदाज किया जा रहा है। माना कि एआई के विस्तार से आर्थिक विकास के नए अवसर पैदा हो रहे हैं, जिसके लिए डेटा सेंटरों का तेजी से अंधाधुंध विस्तार हो रहा है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका, यूरोप और भारत में इनके खिलाफ बढ़ता विरोध एक अहम चेतावनी भी है। निस्संदेह, तकनीकी प्रगति होनी चाहिए, लेकिन इसकी कीमत समाज और पर्यावरण को नहीं चुकानी चाहिए। अमेरिका में हालिया मध्यावधि चुनावों में डेटा सेंटर परियोजनाओं को लेकर लोगों का गुस्सा भी सामने आया है। वास्तव में, दुनिया भर के लोग डेटा सेंटरों को चलाने में इस्तेमाल होने वाली भारी-भरकम बिजली और पानी के बेतहाशा इस्तेमाल को लेकर नाराज हैं। वे स्थानीय संसाधनों पर पड़ने वाले इनके नकारात्मक प्रभावों को लेकर चिंतित हैं। यही वजह है कि अमेरिका के टेक्सास में पानी की घटती आपूर्ति को लेकर किसानों का गुस्सा वहां एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है। कमोबेश ऐसा ही गुस्सा अमेरिका के अन्य राज्यों और कुछ यूरोपीय देशों में भी देखने को आ रहा है। इस विरोध का संदेश साफ है कि लोग अब उन बड़े फैसलों पर अपनी राय रखना चाहते हैं, जिनका असर उनके जीवन पर सीधा पड़ता है। इसी तरह, भारत में भी महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे राज्य आज इस मुद्दे को लेकर अहम मोड़ पर खड़े नजर आते हैं। निस्संदेह, बड़े डेटा सेंटर प्रस्ताव निवेश की महत्वाकांक्षी पहल के साथ डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत कर सकते हैं। इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। लेकिन इसके बावजूद कंपनियों को संसाधनों के प्रबंधन के जवाबदेह तौर-तरीकों को प्राथमिकता देनी चाहिए। हर डेटा सेंटर परियोजना में तीन मुख्य पहलुओं पर ध्यान देना चाहिए, जिनमें व्यापार, समुदाय और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाया जाए। कंपनियों को ऊर्जा की खपत कम करने वाली तकनीकों, नवीकरणीय ऊर्जा और टिकाऊ कूलिंग सिस्टम को प्राथमिकता देनी चाहिए। वहीं, कम-से-कम पानी की खपत करने वाली तकनीकों में निवेश करना चाहिए। आंध्र प्रदेश के भोगापुरम में हालिया स्थानीय निकाय चुनावों में दो किसान जीते, जिसकी मुख्य वजह यह थी कि डेटा सेंटरों को लेकर उनकी चिंताएं मतदाताओं को तार्किक लगीं। किसी भी परियोजना को मंजूरी मिलने से पहले वहां के निवासियों को संसाधनों की खपत, पर्यावरण पर पड़ने वाले प्रभाव और परियोजना से होने वाले आर्थिक लाभों की जानकारी दी जानी चाहिए। विकास कार्यों में स्थानीय लोगों को केवल मूकदर्शक मानने के बजाय उनकी अहम हिस्सेदारी होनी चाहिए। निस्संदेह, डेटा सेंटर भारत के डिजिटल भविष्य को गति देने में योगदान कर सकते हैं। लेकिन इनकी सफलता को केवल निवेश के आंकड़ों या कंप्यूटिंग क्षमता से ही नहीं मापा जा सकता। वास्तव में, यह देखा जाना चाहिए कि स्थानीय लोगों को कितने रोजगार मिले, वहां कितने संसाधनों की बचत की गई और इससे स्थानीय समुदायों को कितना संबल मिला। सही मायने में, किसी भी विकास का लाभ सभी हितधारकों को मिलना चाहिए, न कि केवल बड़ी तकनीकी कंपनियों को।

महंगाई में आर्थिक संतुलन समझने की जरूरत

(लेखक-कांतिलाल मांडोत)

त्योहारों में बढ़ती मांग और बाजार की हलचल से कीमतों में उछाल स्वाभाविक लेकिन आम आदमी की जेब का ध्यान रखना भी जरूरी

देश में खुदरा महंगाई दर का अक्टूबर में बढ़कर 6.09 प्रतिशत तक पहुंचना अर्थव्यवस्था और आम उपभोक्ता दोनों के लिए चर्चा का विषय बन गया है। सितंबर में खुदरा महंगाई 5.54 प्रतिशत थी, जो अक्टूबर में बढ़कर भारतीय रिजर्व बैंक की निर्धारित छह प्रतिशत की ऊपरी सीमा को भी पार कर गई। पिछले बारह महीनों के आंकड़ों पर नजर डालें तो महंगाई में लगातार बढ़ोतरी का रुझान दिखाई देता है। प्याज, लहसुन, दूध, अंडे और डेयरी उत्पादों सहित रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं के दाम बढ़ने से घरेलू बजट पर दबाव पड़ा है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव भी महंगाई को प्रभावित कर रहा है। हालांकि महंगाई के इस आंकड़े को केवल नकारात्मक दृष्टि से देखने के बजाय इसके पीछे बाजार की परिस्थितियों, मांग और आपूर्ति के संतुलन को भी समझना आवश्यक है।

भारत जैसे विशाल देश में महंगाई का संबंध केवल उत्पादन लागत से नहीं होता, बल्कि त्योहारों, मौसम, परिवहन, अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और उपभोक्ताओं की खरीद क्षमता से भी जुड़ा होता है। दीपावली जैसे महान पर्व पर बाजारों में जिस प्रकार रौनक दिखाई देती है, वह भारतीय अर्थव्यवस्था की जीवंतता का प्रमाण है। दीपावली के अवसर पर देश के प्रत्येक वर्ग में खरीदारी का उत्साह रहता है। घरों की सजावट, कपड़े, आभूषण, मिठाइयां, इलेक्ट्रॉनिक सामान, वाहन और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की मांग अचानक बढ़ जाती है। व्यापारियों से लेकर छोटे दुकानदारों और कारीगरों तक सभी के कारोबार में तेजी आती है। ऐसे समय में वस्तुओं की मांग बढ़ना स्वाभाविक है और यदि मांग के अनुरूप आपूर्ति नहीं हो पाती तो कीमतों में बढ़ोतरी होना भी बाजार के सामान्य नियमों में शामिल है।

दीपावली केवल धार्मिक और सांस्कृतिक पर्व नहीं है, बल्कि यह देश की आर्थिक गतिविधियों को गति देने वाला अवसर भी है। इस समय लोगों के हाथों में धन का प्रवाह बढ़ता है। वे पूरे वर्ष की जरूरतों और इच्छाओं को पूरा करने के लिए खरीदारी करते हैं। उद्योगों में उत्पादन बढ़ता है, परिवहन व्यवसाय को काम मिलता है, बाजारों में व्यापार बढ़ता है और रोजगार के नए अवसर पैदा होते हैं। विशेष रूप से सूरत जैसे औद्योगिक और व्यापारिक शहरों में दीपावली का आर्थिक महत्व और भी अधिक है। यहां कपड़ा, हीरा, निर्माण, छोटे उद्योगों और विभिन्न सेवा क्षेत्रों से लाखों लोग जुड़े हुए हैं। त्योहारों के दौरान इन क्षेत्रों में होने वाली आर्थिक गतिविधियां स्थानीय व्यापार और रोजगार को मजबूती प्रदान करती हैं।

महंगाई को समझने के लिए मांग और आपूर्ति का सिद्धांत महत्वपूर्ण है। जब किसी वस्तु की मांग बढ़ती है और बाजार में उसकी उपलब्धता सीमित रहती है तो कीमतों में वृद्धि होती है। इसके विपरीत उत्पादन अधिक हो और मांग कम हो तो कीमतों में गिरावट आने लगती है। इसलिए दीपावली के दौरान कुछ वस्तुओं के दाम बढ़ने को बाजार की परिस्थितियों से अलग करके नहीं देखा जा सकता। हालांकि त्योहारों के नाम पर अनावश्यक मूल्य वृद्धि, जमाखोरी और कालाबाजारी को उचित नहीं ठहराया जा सकता। मांग बढ़ने का अर्थ यह नहीं है कि व्यापारी मनमाने दाम वसूलें। बाजार में पारदर्शिता और उचित मूल्य व्यवस्था बनाए रखना भी उतना ही आवश्यक है।

अक्टूबर में ग्रामीण महंगाई का 6.63 प्रतिशत और शहरी महंगाई का 5.41 प्रतिशत तक पहुंचना भी महत्वपूर्ण संकेत है। ग्रामीण क्षेत्रों में परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा खाद्यान्न, सब्जियों और दैनिक जरूरतों पर खर्च करते हैं। इसलिए खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि का सीधा असर उनके घरेलू बजट पर पड़ता है। शहरों में किराया, शिक्षा, चिकित्सा और परिवहन जैसे खर्च भी परिवार की आर्थिक स्थिति को प्रभावित करते हैं। इस कारण महंगाई का प्रभाव दोनों क्षेत्रों में अलग-अलग दिखाई देता है, लेकिन सबसे अधिक परेशानी सीमित आय वाले परिवारों को होती है।

भारतीय रिजर्व बैंक महंगाई को नियंत्रित रखने के लिए मौद्रिक नीतियों का सहारा लेता है। आवश्यकता पड़ने पर ब्याज दरों में वृद्धि करके बाजार में कर्ज और खर्च की गति को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है। लेकिन ब्याज दरें बढ़ने से गृह ऋण, वाहन ऋण और अन्य कर्ज भी महंगे हो सकते हैं। इसका बोझ मध्यम वर्ग और छोटे कारोबारियों पर पड़ता है। इसलिए महंगाई पर नियंत्रण के लिए केवल ब्याज दरों में बदलाव पर्याप्त नहीं है। कृषि उत्पादन बढ़ाने, खाद्य पदार्थों की आपूर्ति मजबूत करने, भंडारण व्यवस्था सुधारने और परिवहन लागत कम करने जैसे उपाय भी जरूरी हैं।

अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियां भी भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती हैं। मध्य पूर्व में तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का असर पेट्रोलियम उत्पादों, परिवहन और उत्पादन लागत पर पड़ता है। यदि कच्चे तेल की कीमतें घटती हैं तो महंगाई के दबाव में राहत मिल सकती है। इसके विपरीत तेल महंगा होने पर वस्तुओं की ढुलाई और निर्माण लागत बढ़ सकती है, जिसका असर अंततः उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है।

वास्तविक आवश्यकता महंगाई से घबराने की नहीं, बल्कि उसके कारणों को समझकर संतुलित आर्थिक व्यवस्था बनाने की है। त्योहारों में बाजार की बढ़ती गतिविधियां अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक हैं, लेकिन आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आम आदमी की पहुंच से बाहर नहीं होनी चाहिए। सरकार को जमाखोरी पर निगरानी रखनी चाहिए और उत्पादन तथा आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखना चाहिए। व्यापारियों को भी सामाजिक जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उपभोक्ताओं को अपनी आय के अनुसार समझदारी से खर्च करना चाहिए। आर्थिक विकास तभी सार्थक होगा जब बाजार में रौनक के साथ आम परिवारों के घरों में भी खुशहाली बनी रहे। महंगाई का वास्तविक समाधान उत्पादन, आपूर्ति, पारदर्शिता और जनहित के बीच उचित संतुलन स्थापित करने में ही निहित है।

चैतन्यता जरूरी



स्मृति और विस्मृति दोनों संतुलन अपेक्षित हैं। कुछेक व्यक्तियों में विस्मृति की बड़ी मात्रा होती है। वह हमारी चेतना की स्थिति को बहुत स्पष्ट करता है। एक व्यंग्य है। दो बहनें मिलीं। एक स्त्री ने कहा, मेरा पति बहुत भुलक्कड़ है। एक दिन बाजार में गया सब्जी लाने के लिए। बाजार में घूम-घामकर घर लौटा। आते ही पूछा, अरे! मैं बाजार गया था, पर याद नहीं रहा कि मैं बाजार क्यों गया हूं? कितना भुलक्कड़!

दूसरी स्त्री बोली, अरे! बस इतना ही भुलक्कड़! मेरा पति इससे बहुत आगे है। उसके भुलक्कड़पन की बात सुनोगी तो आश्चर्यचकित रह जाओगी। एक दिन की बात है। वह मित्रों के साथ बाजार में घूम रहा था। अकस्मात् ऐसा योग मिल गया कि मैं उधर से निकली। मुझे देखते ही उसने कहा, बहनजी! नमस्ते। आपको कहीं देखा है। आपकी सूरत परिचित-सी लगती है। कितनी विस्मृति!

विस्मृति एक व्यापक बीमारी है। कुछेक लोग इसके शिकार हो जाते हैं। उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जीवन में स्मृति और विस्मृति का संतुलन होना चाहिए। हम याद भी रख सकें और भूल भी सकें। याद रखना ही पर्याप्त नहीं होता, भूलना भी आवश्यक होता है।

जीवन की अनेक घटनाएं ऐसी होती हैं जिनको भूल जाना ही श्रेयस्कर होता है। कुछ प्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं और अप्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं। यदि उनका भार ढोते ही जाएं तो दुख का कहीं अन्त नहीं होगा। हम आवश्यक बातों को याद रखें और अनावश्यक बातों को भूलते चले जाएं। अपने कर्तव्य की विस्मृति शिक्षा की बहुत बड़ी बाधा है।

विचार मंथन

चीन और माइक्रोसॉफ्ट पर निर्भरता घटाने की वैश्विक मुहिम

(लेखक- सनत जैन)

- आर्थिक आत्मनिर्भरता और तकनीकी संप्रभुता के नए दौर की शुरुआत

दुनिया में आर्थिक और तकनीकी शक्ति का संतुलन तेजी से बदल रहा है। पिछले दो दशकों में सस्ती वस्तुओं, आधुनिक तकनीक और बड़े पैमाने पर किए जा रहे उत्पादन के कारण चीन दुनिया की सबसे बड़ी फैक्ट्री बन गया है। इसी तरह कंप्यूटर, इंटरनेट, ईमेल, क्लाउड सेवाओं के कारोबारी, सॉफ्टवेयर के क्षेत्र में माइक्रोसॉफ्ट का वर्चस्व स्थापित हो गया है। पिछले दो वर्षों में जिस तरह के आर्थिक दबाव, आपूर्ति व्यवस्था में बाधाएं, तकनीकी व्यवधान और भू-राजनीतिक तनाव सामने आए हैं. उसने दुनिया के देशों को एक नई चिंता में डाल दिया है। अब सवाल यह है कि क्या कोई भी देश अपनी अर्थव्यवस्था और संचार व्यवस्था को कुछ चुनिंदा देशों और कंपनियों के भरोसे छोड़ सकता है? भारत सहित दुनिया के अनेक देश अब इस निर्भरता से बाहर निकलने के विकल्प तलाश रहे हैं। यह केवल व्यापार के क्षेत्र का ही सवाल नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और तकनीकी संप्रभुता की चिंता का विषय भी बन चुका है।

चीन ने पिछले वर्षों में लिथियम, निकेल, दुर्लभ खनिजों, सौर ऊर्जा उपकरणों, बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, दवा निर्माण के कच्चे माल और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला में महत्वपूर्ण स्थान बना लिया है। दुनिया के अनेक देशों ने सस्ते उत्पादन के कारण चीन से आयात को प्राथमिकता दी। भारत में देवी-देवताओं की मूर्तियों, सजावटी सामान, खिलौनों, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, पटाखों और रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं में चीनी उत्पादों की पहुंच बढ़ी है। इस निर्भरता का दूसरा पहलू भी सामने आया है। जब चीन किसी महत्वपूर्ण खनिज के निर्यात पर नियंत्रण लगाता है, या व्यापारिक तनाव के बीच आपूर्ति प्रभावित होती है, तो दूसरे देशों के उद्योगों पर सीधा असर पड़ता है। पिछले दो वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच तकनीकी प्रतिस्पर्धा, चिप निर्यात पर प्रतिबंध, दुर्लभ खनिजों के निर्यात नियंत्रण और व्यापार शुल्कों ने वैश्विक कंपनियों को अपनी उत्पादन व्यवस्था बदलने के लिए मजबूर किया है। यूरोप भी इलेक्ट्रिक वाहनों, बैटरियों और सौर उपकरणों के मामले में अब चीन पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है।

इसका परिणाम यह है, अब केवल सस्ता सामान खरीदना पर्याप्त नहीं माना जा रहा। देश यह भी देख रहे हैं कि संकट के समय आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति जारी रहेगी या नहीं। भारत के लिए यह अवसर है, जब वह अपने घरेलू उद्योग, इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन, दवा उद्योग और खनिज प्रसंस्करण क्षमता को मजबूत करे। इसी तरह से वैश्विक स्तर पर तकनीकी और इंटरनेट के क्षेत्र में माइक्रोसॉफ्ट की भूमिका बड़ी महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों से इसके दुष्प्रभाव विभिन्न सेवाओं के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर देखने को मिल रहे हैं। ऐसी स्थिति में कई देश अब अपनी खुद की तकनीकी और इंटरनेट की सेवाएं किस तरीके से हों जिसमें माइक्रोसॉफ्ट के ऊपर कम आश्रित रहना पड़े, इस दिशा में काम शुरू कर चुके हैं। कई देश अपने सॉफ्टवेयर की शुरुआत कर चुके हैं, इनमें फ्रांस, जर्मनी, ऑस्ट्रिया समेत भारत भी है। फ्रांस में तो साल 2027 तक सरकारी विभाग व जूम नहीं अपना वीडियो-कॉल प्लेटफॉर्म विजियो अपनाएंगे। भारत भी सरकारी ईमेल जोहो क्लाउड का इस्तेमाल कर रहा है। इस प्रकार भारत समेत दुनिया के कई देश अब तकनिकी और सेवाओं के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसमें उन्हें कितनी सफलता मिलेगी यह कहना मुश्किल है, लेकिन इतना तय है कि आने वाले समय में माइक्रोसॉफ्ट के लिए भी दुनिया भर में चुनौती बढने जा रही है। इसके आसार अभी से देखने लगे हैं।



Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डिजिटल पेमेंट को मिलेगी रफ्तार, दुकानदारों को इंसेंटिव देगी एनपीसीआई

मुंबई ।

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए एक नई स्कीम शुरू की है। छोटे दुकानदारों को अब यूपीआई क्यूआर कोड और साउंड बॉक्स लगाने पर वित्तीय प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे डिजिटल लेनदेन को जमीनी स्तर पर बढ़ावा मिलेगा। एनपीसीआई द्वारा शुरू की गई इस योजना के तहत, नए दुकानदारों को पहली बार यूपीआई क्यूआर कोड स्थापित करने पर 300 रुपये का इंसेंटिव मिलेगा। वहीं भुगतान अलर्ट के लिए साउंड बॉक्स लगाने पर 750 रुपये तक का प्रोत्साहन दिया जाएगा। दो हजार रुपये तक के पात्र यूपीआई लेनदेन भी इस योजना में शामिल होंगे। इस पहल का सीधा लाभ किराना दुकानदारों, फेरीवालों और छोटे रिटेल व्यापारियों को मिलेगा। इसका मुख्य उद्देश्य छोटे शहरों और दूर-दराज के इलाकों में डिजिटल भुगतान के इस्तेमाल को बढ़ाना है। यह योजना डिजिटल इंडिया के सपने को साकार करने में अहम भूमिका निभाएगी।

उज्ज्वला लाभार्थियों को 625 में मिल रहा रसोई गैस सिलेंडर

नई दिल्ली ।

घरेलू और कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में सोमवार को कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को सरकार की ओर से बड़ी सब्सिडी जारी है, जिसके चलते दिल्ली में उन्हें घरेलू सिलेंडर मात्र 642 रुपए में मिल रहा है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, एक एलपीजी सिलेंडर के उत्पादन पर कंपनी का खर्च 1,267.24 रुपए है। उज्ज्वला योजना के तहत केंद्र सरकार इस लागत और लाभार्थी द्वारा चुकाई जाने वाली राशि के बीच 625.24 रुपए का बड़ा अंतर वहन करती है। इस योजना का लाभ जारी रखने के लिए लाभार्थियों को ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है, जिसे गैस कंपनी के मोबाइल ऐप या नजदीकी गैस एजेंसी पर जाकर किया जा सकता है। देश के प्रमुख शहरों में घरेलू और कमर्शियल सिलेंडर की कीमतें स्थिर हैं। दिल्ली में 14.2 किलोग्राम वाला घरेलू एलपीजी सिलेंडर 942.50 रुपए और 19 किलोग्राम वाला कमर्शियल सिलेंडर 2,820 रुपए में उपलब्ध है। अन्य शहरों में भी कीमतें लगभग इसी स्तर पर बनी हुई हैं।

मिस्र ने भारतीय कंपनियों को विशेष निवेश क्षेत्र स्थापित करने का न्योता दिया

काहिरा ।

मिस्र ने भारत के साथ आर्थिक संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की इच्छा व्यक्त करते हुए भारतीय कंपनियों से अपने देश में विशेष निवेश क्षेत्र या मुक्त व्यापार क्षेत्र स्थापित करने का आग्रह किया है। मिस्र ने इसके लिए जमीन और हरसंभव मदद की पेशकश की है, जिसका वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने स्वागत किया। मिस्र के निवेश एवं विदेशी व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने भारतीय कारोबारियों से स्वेज नहर और गोल्डन ट्रायंगल जैसे आर्थिक क्षेत्रों में निवेश करने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से भारत के लिए एक ऐसा क्षेत्र बनाने का सुझाव दिया, जहाँ दोनों देशों की कंपनियाँ मिलकर उत्पादन और व्यापार कर सकें तथा एक साझा व्यावसायिक संस्कृति विकसित कर सकें। सालेह ने जमीन की उपलब्धता और सरकारी सहायता का आश्वासन दिया। यह पहल ऐसे समय में आई है जब भारत और मिस्र विनिर्माण, बुनियादी ढांचे और आपूर्ति श्रृंखला जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं।

श्रीलंका की कंपनी को अंडमान में बिजली संयंत्र बनाने का 7.5 करोड़ डॉलर का ठेका

ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक विकास को मिलेगा बढ़ावा

कोलंबो ।

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह की बिजली आपूर्ति को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए, श्रीलंका की कंपनी लखदनवी को 57 मेगावाट का बिजली संयंत्र स्थापित करने के लिए 7.5 करोड़ डॉलर (लगभग 625 करोड़ रुपये) का ठेका मिला है। यह परियोजना भारत और श्रीलंका के बीच बढ़ते आर्थिक सहयोग का भी प्रतीक है। कंपनी ने सोमवार को बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। लखदनवी ने 21 सितंबर को इस परियोजना के लिए भारत की राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम (एनटीपीसी) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। यह संयंत्र पोर्ट ब्लेयर के होप टाउन में स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना से द्वीपों के बिजली बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) के माध्यम से दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 512, निफ्टी 146 अंक ऊपर आया

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 512.34 अंक बढ़कर 82,104.79 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 146.80 अंक उछलकर 25,291.10 पर पहुंच गया।

हालांकि व्यापक बाजारों का प्रदर्शन प्रमुख बेंचमार्कों से कमजोर रहा, जिनमें निफ्टी मिडकैप 100 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में क्रमशः 0.51 फीसदी और 1.10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। क्षेत्रवार देखे तो निफ्टी एफएमसीजी और निफ्टी बैंक में सबसे ज़्यादा तेजी देखने को मिली, जिनमें 1.87फीसदी और 0.89 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई, जबकि निफ्टी ऑटो, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा का प्रदर्शन खराब रहा है।

मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों में प्रॉफिट बुकिंग के कारण व्यापक बाजारों का प्रदर्शन कमजोर रहा, जो ऊंचे स्तरों पर निवेशकों के सतर्क रुख को दिखाता है। इस बीच, लगातार खरीदारी के चलते दिग्गज शेयरों और बैंकिंग शेयरों में तेजी आई।

आज क्षेत्रीय सूचकांकों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 1.2 फीसदी की जोरदार बढ़त के साथ



सबसे आगे रहा। इसके अलावा निफ्टी बैंक, प्राइवेट बैंक, मीडिया, इंफ्रा और पीएसयू बैंक इंडेक्स में भी 0.3फीसदी से 0.6फीसदी तक की तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर, रियल्टी इंडेक्स में 1.9फीसदी, फार्मा में 1.7फीसदी, मेटल में 1.5फीसदी, ऑटो में 1.5फीसदी और एनर्जी इंडेक्स में 0.6फीसदीकी गिरावट देखने को मिली।

वहीं इससे पहले आज सुबह शेयर बाजार की जोरदार बढ़त के साथ शुरुआत

हुई। कमजोर वैश्विक संकेतों को दरकिनार करते हुए घरेलू बाजार हरे निशान में खुला। आज सुबह सेंसेक्स 560 अंकों से अधिक उछल गया, जबकि एनएसई निफ्टी भी 140.30 अंक चढ़कर 25,284.60 पर कारोबार करता दिखा। बाजार को पीएसयू बैंकों और हेल्थकेयर शेयरों में आई तेजी से मजबूत सहारा मिला।

रुपया गिरावट के साथ बंद



मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 25 पैसे की गिरावट के साथ ही 93.94 पर बंद हुआ। रुपया सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन शुरुआती कारोबार में छह पैसे की बढ़त के साथ ही 94.13 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और घरेलू बाजारों में सकारात्मक रुख से भी रुपये को बल मिला। अमेरिका और ईरान के बीच अनिश्चितता के बीच डॉलर में मजबूती और अमेरिकी कोष बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि ने रुपये की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 94.22 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह 94.13 के उच्च स्तर और 94.25 के निचले स्तर तक गया। रुपया शुक्रवार को सात पैसे टूटकर 94.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 103.44 पर रहा।

आईडीबीआई बैंक निजीकरण पर घमासान, डील रोकने आरबीआई से लगाई गुहार

यूनियन ने कनाडाई कंपनी फेयरफैक्स की क्षमता और हितों के टकराव पर उठाए सवाल

नई दिल्ली ।

आईडीबीआई बैंक के प्रस्तावित निजीकरण को लेकर विवाद और गहरा गया है। बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों के संगठन ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से बैंक की बिक्री प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। वे कनाडाई कंपनी फेयरफैक्स फाइनेंशियल होल्डिंग्स को बैंक बेचने के प्रस्ताव पर सवाल उठाते हुए पूरे सौदे की स्वतंत्र जांच कराने की अपील कर रहे हैं। यूनाइटेड फोरम ऑफ आईडीबीआई ऑफिसर्स एंड एम्प्लॉइज ने आरबीआई गवर्नर से 52,878 करोड़ रुपये के प्रस्तावित सौदे को रोकने की अपील की है।

यूनियन ने आरबीआई से सरकार और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को इस विनिवेश प्रक्रिया को रद्द करने की सलाह देने का भी आग्रह किया है। अक्टूबर 2026 में, आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने फेयरफैक्स की सहायक कंपनी को आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक खरीदार के रूप में मंजूरी दी थी, जिसके तहत केंद्र और एलआईसी अपनी कुल 60.72 फीसदी हिस्सेदारी बेचेंगे। हालांकि, यूनियन ने फेयरफैक्स की बैंकिंग क्षेत्र में विशेषज्ञता और इतने बड़े बैंक को संभालने की क्षमता पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

टेक्नोलॉजी का जादू-एआई के दम पर दौड़ेगी दुनिया की अर्थव्यवस्था रिपोर्ट

2027 में भारत की वृद्धि दर 7.2 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

गोल्डमैन सैक्स ने अपनी नवीनतम ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक 2027 रिपोर्ट में वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण पेश किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, 2027 में वैश्विक अर्थव्यवस्था 2.8 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान है, जो 2026 के अनुमानित 2.7 फीसदी की वृद्धि से थोड़ा अधिक है।

ऊर्जा कीमतों में कमी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में लगातार निवेश इस वृद्धि के मुख्य आधार होंगे, जो सख्त वित्तीय स्थितियों और सरकारी खर्च में कमी के प्रभाव को संतुलित करेंगे। गोल्डमैन सैक्स के एक मुख्य अर्थशास्त्री के अनुसार, 2027 में सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि ठोस लेकिन सामान्य रहेगी। रिपोर्ट बताती है कि 2026 में वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर दबाव डालने वाली ऊर्जा कीमतें, 2027 में इनका मामूली असर पड़ेगा। गोल्डमैन सैक्स के कमोडिटी विश्लेषकों का अनुमान है कि ब्रेंट कच्चे तेल की कीमतें 2027 के अंत तक 78 डॉलर प्रति बैरल तक गिर जाएंगी। वैश्विक तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की कीमतों में भी इसी तरह की कमी आएगी, जिससे आर्थिक गतिविधियों को बल मिलेगा। एआई निवेश और प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का प्रदर्शन- कृत्रिम बुद्धिमत्ता में निवेश 2027 में बढ़कर 1.8 ट्रिलियन डॉलर होने का अनुमान है, जो 2026 में 1.1 ट्रिलियन डॉलर था।

अकेले एआई निवेश 2027 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि में 0.4 प्रतिशत अंक का योगदान दे सकता है। प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में, भारत की वृद्धि 2027 में 7.2 फीसदी रहने का अनुमान है, जो हालांकि 2026 के 7.9 फीसदी से कम है, लेकिन 6.8 फीसदी के आम सहमति अनुमान से अधिक है। चीन की अर्थव्यवस्था 4.5 फीसदी और अमेरिका की अर्थव्यवस्था 2.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

गोल्डमैन सैक्स को उम्मीद है कि ऊर्जा कीमतों में गिरावट से वैश्विक महंगाई कम होगी। अमेरिका में, व्यक्तिगत उपभोग व्यय सूचकांक द्वारा मापी गई मुख्य महंगाई 2027 के अंत तक 2.4 फीसदी तक गिरने का अनुमान है, जो 2026 के अंत में 3.2 फीसदी थी।

हालांकि, रिपोर्ट ने वैश्विक वृद्धि परिदृश्य के लिए नकारात्मक जोखिमों की चेतावनी भी दी है। इनमें ईरान युद्ध का फिर से बढ़ना, बड़े सरकारी घाटे से बढ़ती उधार लागत, और क्षमता बाधाओं या कमजोर मांग के कारण एआई निवेश का उम्मीद से कम होना शामिल है, जो वैश्विक आर्थिक वृद्धि पर असर डाल सकते हैं।

मंगलम और आदित्य बिड़ला की दो कंपनियां चीन की होंगी, 265 मिलियन डॉलर में हुई डील

नई दिल्ली।

भारत के अरबपति कुमार मंगलम बिड़ला की आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी नोवेलिस चीन में अपनी दो कंपनियों को बेचने का फैसला किया है। ये डील 14 नवंबर को हुई। डील की कुल कीमत करीब 265 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,497.50 करोड़ रुपए है। हालांकि अगर सौदे से जुड़ी कुछ शर्तें पूरी होने पर 10 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त भुगतान भी मिल सकता है।

हिंडाल्को का कहना है कि इस कदम का मकसद अपने वैश्विक कारोबार को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करना और भविष्य की रणनीति के मुताबिक कारोबार पर ध्यान केंद्रित करना है। इस डील के तहत हिंडाल्को की सब्सिडियरी नोवेलिस अपनी दो पूर्ण स्वामित्व वाली चीनी सब्सिडियरी कंपनियों को बेचेगी। ये दोनों कंपनियां चीन में नोवेलिस के कारोबार का हिस्सा हैं। नोवेलिस, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज की सब्सिडियरी है। इस तरह इन कंपनियों का अप्रत्यक्ष संबंध आदित्य बिड़ला ग्रुप से है।

हिंडाल्को ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि इन दोनों कंपनियों को खरीदने वाली कंपनी उसकी सहयोगी कंपनियां हैं। यह सौदा 14 नवंबर 2026 को फाइनल एग्रीमेंट के जरिए किया गया। हालांकि, इसे पूरा होने में अभी समय लगेगा। कंपनी के मुताबिक जरूरी नियामकीय मंजूरियां मिलने के बाद अगले 12 महीनों के अंदर यह डील पूरी होने की उम्मीद है। हिंडाल्को ने बताया कि खरीदार का संबंध हिंडाल्को के प्रमोटर ग्रुप या उसकी ग्रुप कंपनियों से नहीं है। इसलिए इस सौदे को संबंधित पक्षों के बीच होने वाला लेनदेन नहीं माना जाएगा।

चीन की इन दोनों कंपनियों का हिंडाल्को के कुल कारोबार में योगदान भी रहा है। वित्त वर्ष 2026 में इन कंपनियों ने करीब 376 मिलियन डॉलर यानी करीब 3,319 करोड़ रुपए की नेट सेल्स दर्ज की थी।

यह हिंडाल्को की कुल नेट सेल्स का करीब एक फीसदी था। वहीं, इन कंपनियों का योगदान हिंडाल्को की नेटवर्थ में भी रहा। वित्त वर्ष 2026 के आखिरी में इनकी नेटवर्थ करीब 259 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,420 करोड़ रुपए थी। यह हिंडाल्को की कुल नेटवर्थ का करीब 2 फीसदी हिस्सा था।

निवेशकों की पहली पसंद बने लार्ज एंड मिडकैप फंड्स

अक्टूबर में दोगुना हुआ इनफ्लो, इन 3 स्कीम्स ने दिया 11 फीसदी से अधिक का रिटर्न

मुंबई ।

म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच लार्ज एंड मिडकैप फंड्स की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। अक्टूबर 2026 में इक्विटी म्यूचुअल फंड की सभी कैटेगरी में इन्होंने सबसे ज्यादा निवेश आकर्षित किया, जो निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाता है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के आंकड़ों के अनुसार, इस कैटेगरी में अक्टूबर में 8,484.23 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड नेट इनफ्लो दर्ज किया गया, जो सितंबर के 4,271.22 करोड़ रुपये से लगभग दोगुना है।

यह दर्शाता है कि निवेशक इस कैटेगरी में अपना भरोसा बढ़ा रहे हैं। सिर्फ इनफ्लो ही नहीं, रिटर्न के मामले में भी इन फंड्स ने निवेशकों को निराश नहीं किया। एक साल के रिटर्न के लिहाज से टॉप 3 स्कीम्स ने 11 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। इनमें इनवेस्को इंडिया लार्ज एंड मिड कैप फंड, एचएसबीसी लार्ज एंड मिडकैप फंड और क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड शामिल हैं। इन तीनों का कुल एयूएम 23,800 करोड़ रुपये से अधिक है।

थोक मुद्रास्फीति में बड़ा उछाल, अक्टूबर में 12.29 फीसदी पहुंची

ईंधन-बिजली, खाद्य पदार्थों और खनिजों की ऊंची कीमतों ने दिया जोर

नई दिल्ली ।

अक्टूबर में थोक मुद्रास्फीति एक बार फिर बढ़कर 12.29 प्रतिशत पर पहुंच गई है, जो सितंबर के 11.39 प्रतिशत से काफी अधिक है। ईंधन एवं बिजली, खाद्य पदार्थों, खनिजों और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल इस वृद्धि के प्रमुख कारण रहे हैं, जिससे आम जनता और उद्योगों दोनों पर दबाव बढ़ रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, ईंधन एवं बिजली की महंगाई अक्टूबर में 32.84 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 25.85 प्रतिशत थी। इसी तरह, खाद्य पदार्थों की महंगाई दर भी बढ़कर 8.26 प्रतिशत हो गई, जबकि पिछले महीने यह 8.14 प्रतिशत थी। खनिजों में कीमतों में वृद्धि की दर 12.64 प्रतिशत रही, जो सितंबर में 9.51 प्रतिशत थी।



कुल मिलाकर, प्राथमिक वस्तुओं की श्रेणी में थोक महंगाई अक्टूबर में बढ़कर 9.24 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो पिछले महीने 8.67 प्रतिशत थी। मंत्रालय ने बताया कि खनिज तेल, कच्चा पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, बिजली, बुनियादी धातुओं का विनिर्माण, रसायन एवं रासायनिक उत्पादों और खाद्य उत्पादों का विनिर्माण सहित विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में बढ़ोतरी ने थोक महंगाई को बढ़ावा दिया है।

भारत-मिस्र का महत्वाकांक्षी लक्ष्य, 12 अरब डॉलर व्यापार का रोडमैप

संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय, गैर-शुल्क बाधाएं हटाने और बाजार पहुंच बेहतर करने पर जोर

काहिरा ।

भारत और मिस्र ने द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 6.5 अरब डॉलर से बढ़ाकर 12 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य तय किया है।

इसके लिए दोनों देशों ने गैर-शुल्क बाधाओं को कम करने, सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को सुगम बनाने और बाजार तक पहुंच बेहतर करने जैसे मुद्दों पर चर्चा की। सोमवार को जारी एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। यह विचार-विमर्श रविवार को हुई भारत-मिस्र संयुक्त व्यापार समिति (जेटीसी) की बैठक में हुआ, जिसकी सह-अध्यक्षता वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और मिस्र के निवेश एवं विदेश व्यापार मंत्री मोहम्मद फरीद सालेह ने की। द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दोनों देशों ने एक तरजीही व्यापार समझौते या मुक्त व्यापार समझौते की संभावनाओं पर विचार करने हेतु एक संयुक्त कार्य समूह गठित करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, उत्पादों के पंजीकरण और व्यापार संबंधी नियामकीय प्रक्रियाओं सहित कारोबारी गतिविधियों को प्रभावित करने वाले मुद्दों के समाधान पर भी गहन विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने मौजूदा व्यापार संबंधों की समीक्षा करते हुए इसे 12 अरब डॉलर तक ले जाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई, साथ ही व्यापार में विविधता लाने, मूल्यवर्धित निर्यात को बढ़ावा देने और व्यापार संबंधी चुनौतियों का समाधान करने पर जोर दिया।

प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में दवा एवं चिकित्सा उपकरण, इंजीनियरिंग, बिजली उपकरण, उर्वरक, कपड़ा, नवीकरणीय ऊर्जा और उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं।

दोनों देशों ने संयुक्त विनिर्माण और निवेश को प्रोत्साहित करने पर भी ध्यान केंद्रित किया।

मिस्र के औद्योगिक क्षेत्रों में भारतीय निवेश और भारत के तेजी से बढ़ते विनिर्माण एवं सेवा क्षेत्रों में मिस्र के निवेश के अवसरों पर महत्वपूर्ण चर्चा हुई। 'इन्वेस्ट इंडिया' और मिस्र के निवेश एवं मुक्त क्षेत्र प्राधिकरण के बीच एक रूपरेखा समझौते को मजबूत करने में भी रुचि दिखाई गई, जिसमें एक प्रस्तावित डिजिटल मंच भी शामिल है।

माइक्रोसॉफ्ट आउटेज से बिगड़ा काम, जानिए कैसे मिलेगा सेवा बाधित होने का क्रेडिट

आउटलुक, टीम्स, वनड्राइव और को-पायलट जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के प्रभावित होने से कर्मचारियों का काम रुका

मुंबई ।

हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक तकनीकी खराबी ने दुनियाभर के दफ्तरों और कारोबारों को घंटों तक ठप कर दिया। आउटलुक, टीम्स, वनड्राइव और को-पायलट जैसी महत्वपूर्ण सेवाओं के प्रभावित होने से कर्मचारियों का काम रुक गया और कंपनियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी। अब सवाल यह है कि अपनी पसंदीदा माइक्रोसॉफ्ट 365 और ऑफिस 365 सेवाओं के लिए नियमित भुगतान करने वाले बिजनेस ग्राहकों को इस व्यवधान के लिए क्या कोई मुआवजा मिलेगा? माइक्रोसॉफ्ट अपने बिजनेस ग्राहकों के साथ सर्विस लेवल एग्रीमेंट (एसएलए) करती है, जिसके तहत वह मासिक आधार पर 99.9 फीसदी अपटाइम का लक्ष्य रखती है। यदि किसी सेवा का अपटाइम इस निर्धारित सीमा से कम होता है, तो पात्र बिजनेस ग्राहक बिल क्रेडिट के लिए आवेदन कर सकते हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि सभी ग्राहकों को पूरा पैसा वापस मिलेगा, क्योंकि क्रेडिट की राशि कई कारकों पर निर्भर करती है। कंपनी प्रभावित यूजर्स की संख्या और उनके काम में हुई कुल रुकावट (यूजर मिनट्स) का हिसाब लगाती है। क्रेडिट की राशि भी उस विशिष्ट सेवा पर निर्भर करेगी जिसमें खराबी आई थी। उदाहरण के लिए, यदि केवल आउटलुक बाधित हुआ था और माइक्रोसॉफ्ट 365 की अन्य सेवाएं सामान्य रूप से काम कर रही थीं, तो ग्राहक को केवल आउटलुक के हिस्से का ही मामूली क्रेडिट मिल पाएगा। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यह सुविधा मुख्य रूप से उन बिजनेस ग्राहकों के लिए है जिन्होंने माइक्रोसॉफ्ट सेवाओं के लाइसेंस खरीदे हैं; व्यक्तिगत कर्मचारी सीधे मुआवजे का दावा नहीं कर सकते। क्रेडिट पाने के लिए प्रभावित कंपनियों को स्वयं दावा करना होगा, क्योंकि माइक्रोसॉफ्ट स्वचालित रूप से क्रेडिट जारी नहीं करती।

महानदी कोलफील्ड्स का आईपीओ 19 नवंबर को खुलेगा

मूल्य दायरा 129-136 रुपये प्रति शेयर तय

नई दिल्ली ।

कोल इंडिया की अनुषंगी कंपनी महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) अपने 8,981 करोड़ रुपये के महत्वाकांक्षी आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के साथ बाजार में उतरने की तैयारी में है। ओडिशा स्थित इस कंपनी ने अपने शेयरों के लिए 129-136 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। यह निर्गम 19 नवंबर को अभिदान के लिए खुलेगा और 23 नवंबर को बंद हो जाएगा, जिससे निवेशकों के लिए एक नया अवसर पैदा होगा। महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। इसके तहत प्रवर्तक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड अपनी 66.18 करोड़ इक्विटी शेयर बेचकर पूंजी जुटाएगी। चूंकि यह एक ओएफएस है, इसलिए आईपीओ से मिलने वाली पूरी राशि एमसीएल के बजाय शेयर बेचने वाली कंपनी कोल इंडिया को प्राप्त होगी।

एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 18 नवंबर को शुरू होगी। सफल निर्गम के बाद, कंपनी के शेयर 27 नवंबर को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध होने की संभावना है। यह सूचीबद्धता कोल इंडिया के लिए विनिवेश प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो देश के घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान करती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एलिना स्वितोलिना को हराकर मीरा एंड्रीवा ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स का खिताब

इंडियन वेल्स, एजेंसी। मीरा एंड्रीवा ने अपने पहले ही डब्ल्यूटीए फाइनल्स में एलिना स्वितोलिना को 7-5, 6-3 से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया। 19 वर्षीय रूसी खिलाड़ी ने 2026 का समापन 55 टूर-लेवल जीत और चार खिताबों के साथ किया। इससे पहले उन्होंने एडिलेड, लिन्ज और फ्रेंच ओपन में भी जीत हासिल की थी। 19 साल की उम्र में स्वितोलिना के खिलाफ 1 घंटे 48 मिनट में मिली इस जीत के साथ एंड्रीवा 2004 में मारिया शारापोवा के बाद सबसे कम उम्र की डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियन बन गई हैं। अपने पहले ही टूर्नामेंट में बिना कोई सेट हारे जीत हासिल करना उन्हें एक खास क्लब में शामिल करता है। 1972 में टूर्नामेंट के पहले संस्करण में क्रिस एवर्ट ने ऐसा किया था और 2001 में सेरेना विलियम्स ने लगातार तीन मैचों में सीधे सेटों में जीत दर्ज की थी, जिसके बाद उन्हें वॉकओवर के जरिए खिताब मिला था। डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियन बनने पर एंड्रीवा ने कहा, 'खिलाड़ियों के इस खास समूह का हिस्सा बनना बहुत शानदार लग रहा है। मैं अपनी टीम की बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने के लिए प्रेरित किया। मेरे लिए लड़ने और मुझे वह सब कुछ करने के लिए मजबूर करने के लिए धन्यवाद, जो मेरे लिए जरूरी था। मीरा ने बिना कोई सेट हारे अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब जीता। इस जीत के साथ उन्होंने डब्ल्यूटीए रैंकिंग में दुनिया की नंबर 2 खिलाड़ी का स्थान हासिल कर लिया है, जिससे 2027 सीजन की शुरुआत



में उनके नंबर 1 बनने की संभावना भी बढ़ गई है। मीरा एंड्रीवा ने स्वितोलिना को ग्रुप स्टेज में भी हराया था और फिर चैंपियनशिप मैच में भी जीत हासिल की। टूर्नामेंट के दौरान उन्होंने ग्रुप स्टेज में पारिबास ओपन चैंपियन आर्यना सबालेंका के खिलाफ एक शानदार जीत दर्ज की थी। पहले सेट में 1-4 से पिछड़ने के बाद उन्होंने लगातार 11 गेम जीतकर मैच अपने नाम किया था।

पहले सेट की शुरुआत में एंड्रीवा और स्वितोलिना दोनों ने एक-दूसरे की सर्विस तोड़ी, लेकिन फिर रूसी खिलाड़ी ने एक और ब्रेक हासिल किया और अपनी सर्विस बचाते हुए 5-3 की बढ़त बना ली। आंद्रीवा 5-4 के स्कोर पर सेट अपने नाम करने में नाकाम रहीं, लेकिन उन्होंने तीसरी बार स्वितोलिना की सर्विस तोड़ी और फिर अपने दूसरे मौके को भुनाते हुए सेट जीत लिया।

फ्रेंच ओपन चैंपियन ने दूसरे सेट में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने आखिरी दो गेम्स में सिर्फ दो अंक गंवाए और जीत पक्की की, जिसके साथ ही उन्हें 3.37 मिलियन अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि मिली। साल का अंत अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग नंबर 2 के साथ करने वालीं आंद्रीवा ने खिताब जीतने के बाद अपनी टीम का धन्यवाद किया।

उन्होंने कहा कि उनकी टीम हर दिन उन्हें बेहतर बनने के लिए प्रेरित करती है, उनकी सीमाओं को आगे बढ़ाने में मदद करती है और ऐसे दिनों में भी मेहनत करवाती है जब उनका काम करने का मन नहीं होता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अंत में मैं खुद को भी धन्यवाद देना चाहती हूं।

सिनियाकोवा-टाउनसेंड की जोड़ी ने जीता डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स का खिताब

इंडियन वेल्स, एजेंसी। कैटरीना सिनियाकोवा और टेलर टाउनसेंड की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सारा एरानी और जैस्मीन पाओलिनी को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ दोनों खिलाड़ियों ने टीम के रूप में अपना पहला डब्ल्यूटीए फाइनल्स डबल्स खिताब जीता।



यह टाउनसेंड का पहला और सिनियाकोवा का दूसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स खिताब था। सिनियाकोवा ने इससे पहले 2021 में बारबोरा क्रेजकोवा के साथ यह चैंपियनशिप जीती थी। एक टीम के रूप में सिनियाकोवा और टाउनसेंड का यह लगातार तीसरा डब्ल्यूटीए फाइनल्स था। वह 2024 में उपविजेता रहीं और पिछले साल सेमीफाइनल तक पहुंची थीं। इस सीजन में रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन), यूएस ओपन, मैड्रिड, मियामी और इंडियन वेल्स में एक साथ खिताब जीतने के बाद सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने अपने कलेक्शन में एक और (छठी) ट्रॉफी जोड़ ली है। एक टीम के रूप में यह उनका कुल 9वां खिताब है। इसके साथ ही सिनियाकोवा के नाम अब 40वां और टाउनसेंड के नाम 18वां टूर-लेवल डबल्स खिताब हो गया है।

एरानी और पाओलिनी भी सीजन के इस आखिरी टूर्नामेंट में लगातार तीसरी बार हिस्सा ले रही थीं, लेकिन यह पहली बार था जब वह ग्रुप स्टेज से आगे बढ़ने में सफल रहीं। चैंपियनशिप मैच में मिली इस हार के साथ ही इटैलियन जोड़ी की लगातार आठ जीत का सिलसिला टूट गया। वह टोक्यो में खिताब जीतने के बाद इंडियन वेल्स पहुंची थीं। इस हफ्ते सिनियाकोवा के साल के अंत में वर्ल्ड नंबर 1 डबल्स खिलाड़ी बनने की पुष्टि हुई। वहीं, टाउनसेंड ने हाल ही में हुई अपेंडिक्स की सर्जरी से शानदार वापसी करते हुए टॉप लेवल पर मुकाबला किया। इस जोड़ी ने हफ्ते की शुरुआत ग्रुप स्टेज में इटैलियन खिलाड़ियों के खिलाफ हार के साथ की थी। सीजन के आखिरी टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली आखिरी टीम, एरानी और पाओलिनी ने अपने पहले डब्ल्यूटीए फाइनल्स चैंपियनशिप मैच तक पहुंचने के रास्ते में अपने सभी चार मैच जीते थे। मगर दूसरी वरीयता प्राप्त सिनियाकोवा और टाउनसेंड ने उसी कोर्ट पर उनके अजेय रहने के सिलसिले को खत्म कर दिया, जहां उन्होंने मार्च में इंडियन वेल्स का खिताब जीता था।

पीएम मोदी से मिले रिंकू सिंह

परिवार के साथ मिलकर दिया शादी का निमंत्रण

4 दिसंबर को लखनऊ में सांसद प्रिया सरोज संग लेंगे 7 फेरे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह ने अपनी शादी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आमंत्रित किया है। रिंकू सिंह ने परिवार के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की और उन्हें शादी का निमंत्रण दिया। रिंकू सिंह ने इस मुलाकात की तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलकर उन्हें विवाह का न्योता देने और उनका आशीर्वाद लेने को अपने परिवार के लिए खास पल बताया।

रिंकू सिंह 4 दिसंबर को लखनऊ में समाजवादी पार्टी की लोकसभा सांसद प्रिया सरोज के साथ सात फेरे लेंगे। रिंकू सिंह ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में लिखा, ''अपने परिवार के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी से मिलकर और उन्हें अपनी शादी में आमंत्रित कर और उनका आशीर्वाद पाकर बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह हमारे



लिए सचमुच एक बहुत ही खास पल है।

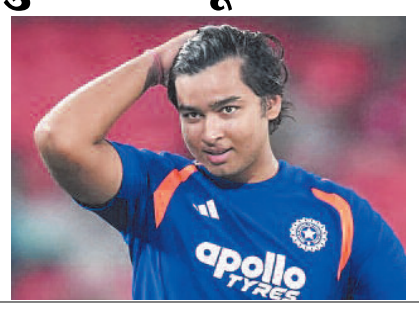
शुक्रवार 13 नवंबर 2026 को रिंकू सिंह की बहन नेहा सिंह, मां बीना देवी और भाई सोनू सिंह ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को शादी का निमंत्रण दिया था। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज के शादी समारोह में पीएम मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा खेल और राजनीति जगत से कई जानी-मानी हस्तियों के आने की खबर है। रिंकू सिंह और प्रिया सरोज का विवाह समारोह लखनऊ स्थित पांच सितारा रमाडा होटल में होगा।

रिंकू सिंह की प्रिया सरोज से शादी पहले नवंबर 2025 में होनी थी, लेकिन उनके क्रिकेट शेड्यूल को देखते हुए तारीख आगे बढ़ा दी गई थी। फरवरी 2026 में रिंकू सिंह के पिता खानचंद सिंह का निधन हो गया। इस कारण फिर शादी की तारीख टालनी पड़ी थी। भारतीय क्रिकेटर रिंकू सिंह और सपा सांसद प्रिया सरोज की सगाई आठ जून 2025 को हुई थी। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में 12 अक्टूबर 1997 को जन्में रिंकू सिंह ने भारत के लिए अब तक दो वनडे और 48 टी20 मैच खेले हैं। रिंकू सिंह उस भारतीय टीम का भी हिस्सा थे जिसने इस साल की शुरुआत में टी20 वर्ल्ड कप जीता था।

कप्तानी में इतिहास रचने के बाद

बिहार टीम से OUT हुए वैभव सूर्यवंशी...

नई दिल्ली, एजेंसी। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने शनिवार (14 नवंबर) को इतिहास रच दिया था. वह मेन्स टी20 क्रिकेट में किसी टीम की कप्तानी करने वाले दुनिया के सबसे युवा कप्तान बने थे. उन्होंने इंदौर के होलकर स्टेडियम में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2026-27 के एलीट ग्रुप-बी मुकाबले में सौराष्ट्र के खिलाफ बिहार की कमान संभाली थी. हालांकि, कप्तान के तौर पर उनका पहला मैच यादगार नहीं रहा. वैभव



बल्ले से बड़ी पारी नहीं खेल सके और बिहार को भी पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा.

बिहार की टीम सोमवार (16 नवंबर) को अपना दूसरा मुकाबला रेलवे के खिलाफ खेलने उतरी, लेकिन इस मैच में वैभव सूर्यवंशी का हिस्सा नहीं बने. उनकी जगह सूरज कश्यप ने बिहार की कप्तानी की, जबकि वैभव की गैरमौजूदगी में आलोक कुमार ने आयुष लोहारुका के साथ पारी की शुरुआत की. यह मुकाबला इंदौर के द डेली कॉलेज ग्राउंड में खेला गया था, जिसमें बिहार ने चार विकेट से दर्ज की.

यूईएफए नेशंस लीग:

फ्रांस और बेल्जियम ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रांस ने बोर्डो के स्टेड अटलांटिक में तुर्की के खिलाफ 2-1 जीत दर्ज करके यूईएफए नेशंस लीग 2027 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। फ्रांस ने 2020-2021 और 2024-2025 के बाद पांच संस्करणों में तीसरी बार नेशंस लीग के क्वार्टर फाइनल चरण के लिए क्वालीफाई किया है। केवल स्पेन (4 बार) ही ऐसा फ्रांस से ज्यादा बार कर पाया है। फ्रांस को गतिरोध तोड़ने के लिए दूसरे हाफ तक इंतजार करना पड़ा, जब ब्रैडली बारकोला के दबाव के कारण तुर्की के डिफेंडर एमिरहान टोपचू ने गलती से अपनी ही टीम के खिलाफ गोल (ओन गोल) कर दिया। इसके बाद एली जूनियर क्रोपी ने रेयान चेर्की के साथ मिलकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इससे फ्रांस की जीत पक्की हो गई। हालांकि, मैच के अंत में अब्दुलकेरीम बारदाकसी के हेडर से गोल आया, लेकिन यह तुर्की की हार को नहीं टाल सका। फ्रांस टीम ने 2026 में अपनी 13वीं जीत दर्ज की (1 ड्रॉ, 4 हार)। यह एक कैलेंडर वर्ष में उनकी अब तक की सबसे ज्यादा जीत की बराबरी है। इससे पहले, 2003 और 2016 में भी उन्होंने 13 जीत हासिल की थीं। इस साल उन्होंने सभी प्रतियोगिताओं में कुल 39 गोल किए हैं, जो 2003 में बनाए गए उनके पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड (40 गोल) के करीब है। बेल्जियम से आगे रहते हुए अपने ग्रुप में पहले स्थान पर रहने के बाद जिदान की टीम को शुक्रवार को होने वाले ड्रॉ के जरिए पता चलेगा कि क्वार्टर फाइनल में उनका सामना किस टीम से होगा।

दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध आईसीसी अध्यक्ष चुने गए जय शाह

विश्वास और समर्थन के लिए जताया आभार

दुबई, एजेंसी। जय शाह को दूसरे कार्यकाल के लिए निर्विरोध इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) का फिर से अध्यक्ष चुना गया है। बाली में हुई बैठकों के दौरान आईसीसी बोर्ड ने इस फैसले पर मुहर लगाई। शाह को अगस्त 2024 में सर्वसम्मति से आईसीसी अध्यक्ष चुना गया था, जिससे वह 35 साल की उम्र में इस पद पर पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति बने थे। उन्होंने 1 दिसंबर 2024 से आईसीसी अध्यक्ष के रूप में अपना कार्यकाल शुरू किया था। तत्कालीन आईसीसी अध्यक्ष ग्रेग बार्कले के तीसरे कार्यकाल के लिए दावेदारी न पेश करने के बाद शाह एकमात्र उम्मीदवार रह गए थे। वह जगमोहन डालमिया, शरद पवार, एन. श्रीनिवासन और शशांक मनोहर के बाद आईसीसी प्रमुख बनने वाले पांचवें भारतीय बने थे। यह पुनर्निर्युक्ति नेतृत्व में स्थिरता बनाए रखने में मदद करेगी। यह ऐसे समय में हुई है जब क्रिकेट लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए तैयारी कर रहा है। इसके



अलावा, इसका मकसद दुनिया भर में क्रिकेट का विस्तार करना, ज्यादा लोगों को खेल से जोड़ना और खेल के व्यावसायिक विकास को आगे बढ़ाना है। आईसीसी ने बताया कि शाह की पुनर्निर्युक्ति बोर्ड के निदेशकों के एक प्रस्ताव के बाद हुई है। यह खेल के विकास के एक महत्वपूर्ण चरण में उनके नेतृत्व पर बोर्ड के भरोसे को दर्शाता है। लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में क्रिकेट को शामिल करना प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल को मजबूत करना, महिला क्रिकेट का विस्तार करना, एसोसिएट सदस्यों के लिए अधिक अवसर पैदा करना और खेल की दीर्घकालिक व्यावसायिक स्थिरता सुनिश्चित करना भी प्राथमिकताओं में शामिल है। अपनी पुनर्निर्युक्ति पर प्रतिक्रिया देते हुए बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष ने बोर्ड के निरंतर समर्थन के लिए आभार जताया। उन्होंने सदस्य देशों के साथ मिलकर वैश्विक स्तर पर क्रिकेट को आगे बढ़ाने की अपनी जिम्मेदारी पर जोर दिया। शाह ने कहा, 'आईसीसी बोर्ड ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उससे मैं बेहद सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं सभी निदेशकों का उनके निरंतर विश्वास और समर्थन के लिए तहे दिल से आभारी हूं। आईसीसी अध्यक्ष के रूप में काम करना एक सम्मान और जिम्मेदारी दोनों है। मैं दुनिया भर में क्रिकेट के हितों को आगे बढ़ाने के लिए अपने सदस्य देशों के साथ मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। ' उन्होंने ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी को नए दर्शकों तक पहुंचने और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करने के एक बड़े अवसर के रूप में बताया। उन्होंने कहा, 'हम अपने खेल के इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण और रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहे हैं। लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में क्रिकेट की वापसी, हमारे खेल को नए दर्शकों तक पहुंचाने और खिलाड़ियों तथा प्रशंसकों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक बेहतरीन अवसर है। ' उन्होंने आगे कहा, 'हमारी जिम्मेदारी केवल सफल आयोजन कराने तक ही सीमित नहीं है। हमें प्रशंसकों, खिलाड़ियों, व्यावसायिक साझेदारों और अन्य प्रमुख हितधारकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस खेल के लिए एक मजबूत और टिकाऊ भविष्य का निर्माण करना होगा। मेरा हमेशा से मानना हा है कि क्रिकेट की सबसे बड़ी ताकत लोगों को एक साथ लाने की इसकी क्षमता है। बोर्ड और हमारे सदस्यों के सहयोग से हमारा पूरा ध्यान अपनी महत्वाकांक्षाओं को हकीकत में बदलने पर होगा, ताकि हम जो भी प्रगति करें, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी विरासत छोड़ सके। ' इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के अध्यक्ष रिचर्ड थॉम्पसन ने शाह के निरंतर नेतृत्व का स्वागत किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बदलते व्यावसायिक और खेल परिदृश्य के अनुरूप ढलते हुए द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता को बनाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा, 'इंटरनेशनल क्रिकेट के लिए यह एक महत्वपूर्ण समय है, जब जय शाह का नेतृत्व जारी है। खेल तेजी से विकसित हो रहा है, इसलिए यह आवश्यक है कि हम अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर को मजबूत करें, द्विपक्षीय क्रिकेट की प्रासंगिकता और प्रतिस्पर्धात्मकता की रक्षा करें और यह सुनिश्चित करें कि हमारे प्रमुख आयोजन इस खेल के भविष्य के केंद्र में बने रहें।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट में होगी भारत की असली 'अग्निपरीक्षा', निराशाजनक रहा है रिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया का प्रदर्शन टी20 के बाद वनडे सीरीज में भी शानदार रहा। भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज को 3-1 से अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय टीम की असली परीक्षा अब क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट यानी टेस्ट में होगी। न्यूजीलैंड की सरजमीं पर टीम इंडिया का टेस्ट रिकॉर्ड बिल्कुल भी अच्छा नहीं रहा है। न्यूजीलैंड में भारत ने अब तक कुल 25 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से टीम को सिर्फ 5 मैचों में जीत मिली है। वहीं, 10 मुकाबलों में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा है। 10 मैचों का अंत ड्रॉ के रूप में हुआ है। भारतीय टीम को साल 2020 में न्यूजीलैंड के अपने आखिरी दौरे पर भी दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, 2024 में न्यूजीलैंड के हाथों भारत को अपने ही घर में 0-3 से टेस्ट सीरीज गंवानी पड़ी थी। तेज गेंदबाजों के अनुकूल न्यूजीलैंड की कंडीशंस में भारतीय बल्लेबाजों के लिए टेस्ट सीरीज में रन बनाना बड़ी



चुनौती होगी। टीम की बल्लेबाजी का दारोमदार शानदार फॉर्म में चल रहे कप्तान शुभमन गिल के कंधों पर होगा, जिसका साथ देने की जिम्मेदारी यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, ऋषभ पंत, देवदत्त पडिक्कल, साई सुदर्शन और ध्रुव जुरेल जैसे बल्लेबाजों की होगी। भारत के मौजूदा टेस्ट स्क्वॉड में काफी कम खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में खेलने का अनुभव है। हालांकि, भारत-ए की ओर से खेलते हुए जुरेल और पडिक्कल ने अच्छा प्रदर्शन किया था। तेज गेंदबाजी की अगुवाई जसप्रीत बुमराह करते हुए नजर आएंगे। बुमराह का साथ आकाशदीप, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा देते हुए नजर आएंगे। गुरनूर बरार को भी टेस्ट सीरीज के आगाज से ठीक पहले टीम में शामिल किया गया है। नीतीश कुमार रेड्डी के ऊपर बल्ले और गेंद दोनों से अहम रोल अदा करने की जिम्मेदारी होगी। टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला वेलिंग्टन में 19 नवंबर से खेला जाना है। इसके बाद दूसरे टेस्ट मैच का आगाज 27 नवंबर से क्राइस्टचर्च में होगा।

'सचिन-सहवाग ने कभी ऐसा नहीं किया...'

टीम इंडिया के जश्न पर शोएब अख्तर को लगी मिर्ची, दे डाली बड़ी नसीहत

नई दिल्ली, एजेंसी। एसीसी मेन्स अंडर-19 एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हराने के बाद भारतीय खिलाड़ियों के आक्रामक जश्न ने नई बहस छेड़ दी है. पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर ने इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि खिलाड़ियों को मैदान पर अपनी आक्रामकता दिखाने का पूरा अधिकार है, लेकिन खेल के दौरान मूल्यों और आपसी सम्मान का भी ख्याल रखना चाहिए. शोएब अख्तर ने अपनी बात रखते हुए टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ियों सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और सौरव गांगुली का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि भारत के इन दिग्गज खिलाड़ियों के साथ मैदान पर कड़ी प्रतिद्वंद्विता रही, लेकिन कभी एक-दूसरे के प्रति सम्मान कम नहीं हुआ.

सचिन और सहवाग का दिया उदाहरण - उन्होंने कहा, 'हमें सिर्फ क्रिकेट नहीं खेलना है, बल्कि मूल्यों के साथ भी आगे बढ़ना है. आज भी मैं सचिन तेंदुलकर के बारे में अच्छी बातें कहता हूं. मुझे अब भी लगता है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं. वीरेंद्र





सहवाग और सौरव गांगुली के साथ भी हमारी अच्छी दोस्ती है. हमने कभी एक-दूसरे के खिलाफ इस तरह प्रतिक्रिया नहीं दी.' फाइनल में हार के बावजूद शोएब अख्तर ने पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तान को भारत से बेहतर टीम बताया. हालांकि, उन्होंने माना कि खिताबी मुकाबले के अहम पलों में पाकिस्तानी खिलाड़ी दबाव नहीं झेल सके. इसके उलट भारतीय टीम ने मुश्किल स्थिति में संयम बनाए रखा.

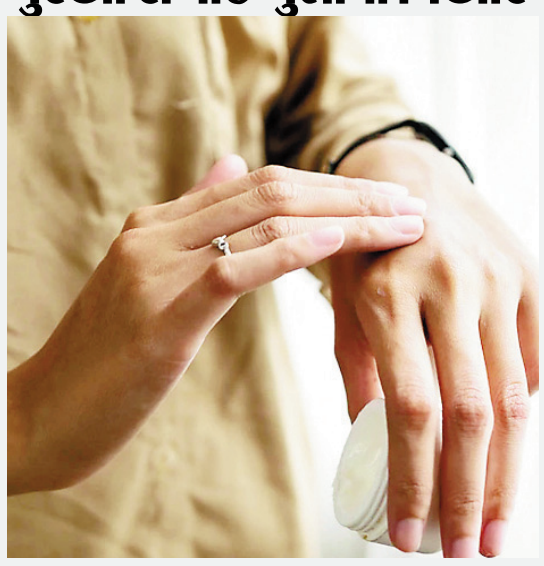
शोएब अख्तर ने भारतीय खिलाड़ियों की आक्रामकता की तारीफ करते हुए कहा, 'मेरा भारतीय अंडर-19 खिलाड़ियों से कहना है कि आक्रामकता दिखाते रहिए. मुझे यह पसंद आया. लेकिन पाकिस्तान पूरे टूर्नामेंट में कहीं बेहतर टीम थी. किसी तरह वे दबाव नहीं संभाल पाए. अहम मौकों पर दबाव से निपटना भारत को अच्छी तरह आता है.' उन्होंने भारतीय टीम को जीत की बधाई देते हुए कहा कि उसके पास दमदार खिलाड़ी, आत्मविश्वास और मैच को अंजाम तक पहुंचाने की क्षमता थी.

अल अमेरात में खेले गए खिताबी मुकाबले में भारत के सामने 338 रनों का लक्ष्य था. टीम ने 252 रनों तक आठ विकेट गंवा दिए थे और मुकाबला पाकिस्तान की पकड़ में नजर आ रहा था. ऐसे समय में मोहित उल्वा और मनल चौहान ने 35 गेंदों पर 57 रनों की साझेदारी कर भारत की वापसी कराई.

मनल चौहान ने 32 गेंदों पर 47 रन बनाए, जबकि मोहित 26 गेंदों पर 49 रन बनाकर नाबाद रहे. आखिरी गेंद पर तीन रनों की जरूरत थी और मोहित ने चौका लगाकर भारत को एक विकेट से जीत दिला दी. इस खिताबी जीत के साथ भारत ने नौवीं बार अंडर-19 एशिया कप अपने नाम किया.

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सर्दियां आते ही स्किन हुई बेजान? इन 6 आसान घरेलू नुस्खों से पाएं गुलाबी निखार



सर्दियां आते ही स्किन नमी खोने लगती है और शरीर में रूखापन, खुजली और फटी त्वचा की समस्या बढ़ने लगती है। सर्द हवाएं और कम नमी वाला वातावरण स्किन की नेचुरल ऑयल लेयर को नुकसान पहुंचाते हैं जिससे स्किन डल और ड्राई हो जाती है। इस मौसम में स्किन को हाइड्रेट रखना काफी जरुरी होता है। अगर आप बाजार के केमिकल युक्त बॉडी लोशन लगाएं तो इससे आपकी स्किन चमक खो देगी। इसके बजाय आप प्राकृतिक चीजें जैसे कि नारियल तेल, एलोवेरा जेल, दूध, शहद और घी त्वचा के अंदर से पोषण प्रदान करके स्किन को सॉफ्ट बनाता है। आइए आपको कुछ आसान और असरदार घरेलू उपाय बताने जा रहे हैं, जो आपकी स्किन को सॉफ्ट करेगा और बॉडी के रुखेपन और जलन को हटाएगा।

विंटर ड्राईनेस से बचने के लिए 6 घरेलू चीजें

नारियल तेल

कोकोनट ऑयल स्किन को बेहतरीन नेचुरल मॉइश्चराइजर है। नारियल तेल में एंटीऑक्सीडेंट और फैटी एसिड होते हैं जो त्वचा की नमी को बनाए रखता है। स्नान के बाद हल्का सा नारियल तेल पूरे शरीर पर लगाएं।

सरसों का तेल

हर भारतीय घर में सरसों का तेल पारंपरिक तरीका है जो सर्दियों में स्किन को गर्मी और नमी देता है। प्रतिदिन नहाने से पहले हल्का गुनगुना तेल शरीर पर लगाएं इसके बाद स्नान करें।

एलोवेरा जेल

स्किन को हाइड्रेट करता है एलोवेरा जेल, इसमें हाइड्रेटिंग प्रॉपर्टीज होती है। इसे रोज नहाने के बाद स्किन पर नमी बरकरार रखने के लिए और खुजली की समस्या को दूर करता है।

दूध और शहद

वैसे दूध में लैक्टिक एसिड होता है, जो स्किन को सॉफ्ट बनाता है और शहद नेचुरल ह्यूमेक्टेंट है। दोनों को मिलाकर हल्का मसाज करें और इसे 15 मिनट बाद धो लें।

घी

घी एक नेचुरल मॉइस्चराइजर है, इसे खासकर कोहनी, घुटनों और एड़ियों पर लगाने से रूखापन और स्किन फटने की समस्या दूर हो जाती है।

ओट्स और दही

ड्राई स्किन की समस्या को दूर करने के लिए यह नुस्खा बेहद कमाल का है। यह प्रकार का नेचुरल स्क्रब की तरह काम करता है। ओट्स पाउडर और दही मिलाकर लगाएं, 15 मिनट बाद इसे धो लें, आपकी त्वचा सॉफ्ट होती है।

इन चीजों का ध्यान रखें

» दिन में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं जिससे आपका शरीर अंदर से हाइड्रेट रहेगा।

» बहुत गर्म पानी से नहाने से बचें, यह आपकी स्किन के नेचुरल ऑयल परत को नुकसान पहुंचाता है।

» डेली मॉइश्चराइजर लगाएं और कॉटन के कपड़े पहनें।

रोजाना हर घर में होता है कि नाश्ता, लंच और डिनर में क्या बनाएं। रोज जो खाने में बनता है बच्चे भी खाने में कमी निकालने लगते हैं। लौकी-तोरई खाकर सब पक भी जाते हैं। इस वजह से आजकल मम्मियां भी सब्जियों को अलग-अलग तरीके से ट्राई करके डिशेज बना सकती है। बाजार में कई तरह की सब्जियां मिलती है, अगर आप बार-बार वहीं सब्जियां खाकर पक गए हैं, तो घर पर ट्राई करें कॉर्न कोफ्ता की सब्जी। कॉर्न कोफ्ता करी बनाना बेहद आसान है। आइए आपको कॉर्न कोफ्ता की रेसिपी के बारे में बताते हैं।





लौकी-तोरई से ऊब गए? बनाएं ये झटपट कॉर्न कोफ्ता, स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाटते रह जाएंगे!

कॉर्न कोफ्ता करी कैसे बनाएं

» सबसे पहले आप कॉर्न कोफ्ता बनाने के लिए पकोड़ो बनाने की आवश्यकता पड़ेगी।

» इसके लिए आप कॉर्न को कद्दूकस कर लें।

» अब आप पल्प को बाउल में निकाल कर आधा हिस्सा प्लेट में रख लें।

» इसमें अब बेसन डालकर थोड़ा-थोड़ा पानी डालते हुए गाढ़ा घोल बना लीजिए।

» अब 1/4 छोटी चम्मच नमक, 1 छोटी चम्मच ग्रेटेड अदरक, 2 बारीक कटी हुई हरी मिर्च और 4-5 बड़े चम्मच हरा धनिया डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।

» 2-3 मिनट तक घोल को साइड में रख लें और अब कड़ाही में तेल गर्म कर लें।

» अब आप छोटे-छोटे या अपने मनपसंद आकार में पकोड़े बनाकर तैयार कर लें।

ग्रेवी को कैसे बनाएं

» ग्रेवी बनाने के लिए मिक्सर जार में 5 टमाटर, 2 हरी मिर्च और 1 इंच अदरक डालें और इसे बारीक पीस लें।

» इसके बाद पेन में 2-3 बड़े चम्मच तेल डालकर गरम कर 1/2 छोटी चम्मच जीरा और 1 पिंच हींग डालें और इसे भून लीजिए।

» अब टमाटर का पेस्ट डालें और इसे धीरे-धीरे चलाते रहे हैं। अब इसमें 1/2 छोटी चम्मच हल्दी पाउडर, 1 छोटी चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च और 1.5 छोटी चम्मच धनिया पाउडर डालकर मिला लें और इसे थोड़ी देर तक चलाते रहे हैं।

» मसाले के आधा पक जाने पर इसमें बचाया हुआ ग्रेट भुट्टा और 1 बड़े चम्मच कसूरी मेथी डालकर अच्छे से मिला दीजिए।

» जब उबाल आए तो इसे थोड़ी देर चलाते हुए 5 मिनट तक और पकाएं। ग्रेवी गाढ़ी होने पर बनाएं हुए पकोड़े डाल दें।

» इसके बाद करी को 5 मिनट तक और पकाएं, इसमें 1 छोटी चम्मच घी डाल कर अच्छा से मिलाकर फ्लेम बंद करें।

» यह लीजिए तैयार है आपकी कॉर्न कोफ्ता करी। इसको आप रोटी या चावल के साथ खा सकते हैं।

कॉर्न कोफ्ता बनाते समय इन बातों का रखें ध्यान

» कॉर्न कोफ्ता करी बनाने के लिए आप बेबी कॉर्न को चूज करें।

» मसाला को लो फ्लेम पर ही बनाएं।

» कोफ्ता के पकोड़े बनाते समय गैस को लो फ्लेम पर पकाए और चलाते हुए जरुर पकाएं।

मेहमानों को खिलाएं 5 फ्लेवर का पोटली समोसा, हर कोई पूछेगा रेसिपी

समोसा खाना लगभग हम सभी को पसंद होता है। यह एक परफेक्ट स्नैक है, लेकिन अगर आप भी आलू वाला समोसा खाकर बोर हो गई हैं। तो अब आप थोड़ा नया और मजेदार पोटली समोसा ट्राई करें। जितना प्यारा इसका नाम है, उतना ही इसका लुक और टेस्ट भी लाजवाब होता है। गोल-गोल छोटी पोटली जैसी शेप में बना यह समोसा अंदर से टेस्टी और क्रिस्पी होता है। खास बात यह है कि आप इसको 5 अलग-अलग फ्लेवर में तैयार कर सकती हैं। जिससे कि हर बार इसका स्वाद अलग और नया लगे। आप त्योहारों में इसको स्नैक्स की तरह भी बना सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आप कौन-कौन से फ्लेवर में पोटली समोसा बनाकर तैयार कर सकती हैं। वहीं यह मेहमानों को भी बेहद पसंद आएगा।

आलू मसाला पोटली समोसा

आलू मसाला वाला पोटली समोसा सबसे पसंदीदा और क्लासिक फ्लेवर है। इसको बनाने के लिए उबले आलू, हरी मिर्च, मटर, अदरक और थोड़ा सा गरम मसाला मिलाकर फिलिंग तैयार कर लें। अब पतली मैदा की पोटली बनाकर फीलिंग करें और इसके किनारे को पोटली शेप दें। अब तेल में इसको सुनहरा होने तक तलें। इस समोसे का स्वाद करीब-करीब हर किसी को पसंद आएगा।

पनीर पोटली समोसा

अगर आप भी रिच फ्लेवर चाहती हैं, तो आपको एक बार पनीर पोटली समोसा ट्राई करना चाहिए। इसके लिए पनीर को मैश या ग्रेट करके इसमें हरी मिर्च, धनिया, प्याज और नमक डालकर अच्छे से मिक्स करें। आप चाहें तो इसमें चीज भी मिला सकती हैं। अब इसको पोटली की तरह बंद कर दें। यकीनन पनीर पोटली समोसा बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आएगा।

वेज मिक्स पोटली समोसा

अगर आपके बच्चे भी सब्जियां खाने में आनाकानी करते हैं, तो आप उनको वेज मि?क?स पोटली समोसा बनाकर खिला सकती हैं। इसको बनाने के लिए बीन्स, मटर, गाजर, पत्तागोभी और कॉर्न जैसी सब्जियों को बारीक काटकर हल्का भून लें। फिर इसमें काली मिर्च, नमक और थोड़ा सा सोया सॉस डालें। यह फ्लेवर इंडो चाइनीज जैसा लगेगा। वहीं बच्चे भी इसको स्वाद लेकर खाएंगे।



ड्राई फ्रूट्स वाला पोटली समोसा

अगर आप भी त्योहारों के मौसम में मेहमानों और बच्चों को कुछ रॉयल बनाकर खिलाना चाहती हैं, तो आप ड्राई फ्रूट्स वाला पोटली समोसा ट्राई कर सकती हैं। इसके लिए बादाम, किशमिश, काजू, खोया और इलायची पाउडर मिलाकर स्टफिंग तैयार करें। फिर इसकी पोटली बांधकर घी में फ्राई करें। फिर ऊपर से शहद या फिर चीनी की हल्की चाशनी डाल दें। यह मीठा पोटली समोसा खाने में बेहद टेस्टी होता है।

चीज-गार्लिक पोटली समोसा

अगर आप चीज लवर हैं, तो चीज-गार्लिक पोटली समोसा आपके लिए बना है। इसके लिए बटर में थोड़ा सा लहसुन भून लें और लहसुन को मैश करके इसमें ओरेगानो, चीज और थोड़ा सा नमक मिलाएं। ये स्टफिंग पोटली समोसे को जबरदस्त टेस्ट देगा। इसको डीप फ्राई करें और सर्व करें। वहीं बच्चों को चीज गार्लिक पोटली समोसे का स्वाद काफी पसंद आएगा।

अलमारी में बंद ऊनी कपड़ों से आती है बदबू? इन 5 तरीकों से घर बैठे बनाएं खुशबूदार

धीरे-धीरे सर्दियां दस्तक दे रही है। अब मौसम में भी काफी बदलाव आ रहा है। हल्की से ठंड पड़ने लगी है। ऐसे में लोग बंद रखे हुए ऊनी कपड़ों को निकाल रहे हैं। सर्दियों को ऊनी कपड़े सिर्फ साल के दो या 3 महीने पहने जाते हैं। बाकी पूरे साल तो ये कपड़े आलमारी, बक्से, बेडबॉक्स में ही बंद पड़े रहते हैं। जिस वजह से इनमें बदबू भर जाती है। अक्सर होता है कि ऊनी कपड़े जब बक्से और वॉर्डरोब से निकाले जाते हैं तो अंजीब से बदबू आने लगती है। कभी ऊनी कपड़े साफ ना होने की वजह से पसीना और बैक्टीरिया के साथ सीलन की बदबू भर जाती है। ऐसे में बदबूदार ऊनी कपड़ों, जैकेट, शॉल को पहनना मुश्किल हो जाता है। आइए आपको इन 7 घरेलू तरीकों से ऊनी स्वेटर, जैकेट से आने वाली बदबू को दूर करें।



धूप सबसे बेहतर है

अगर आप ऊनी कपड़ो को बदबू को दूर करना चाहते हैं, तो धूप सबसे सरल और सस्ता उपाय है। वुलन क्लॉथ को धूप में डालने से कपड़ों से दुर्गंध चली जाएगी। कपड़ों पर धूप लगने से नमी, बैक्टीरिया को खत्म कर देंगे। जिससे बदबू भी निकल जाएगी। लेकिन ध्यान रखें कि जब भी तेज धूप हो तो कपड़ों को उल्टा करके रखें। वरना कपड़ो का रंग उड़ सकता है।

बेकिंग सोडा का यूज करें

यदि आप वुलन कपड़े आलमारी में रखने से इनमें सीलन और फफूंद लग गई है, तो कपड़ों से आ रही इस तरह की बदबू को दूर भगाने के लिए बेकिंग सोडा को पानी में घोलकर कपड़ो को डालकर निकाल दें। यदि आपके पास कपड़ों को धोने का टाइम नहीं है, तो बेकिंग सोडा को कपड़ो पर छिड़कर कुछ देर छोड़ दें और बाद में सूखे कपड़े से साफ कर दें।

वुलन्स पर करें नेचुरल फ्रेशनर का स्प्रे

अगर ऊनी कपड़ों से स्मेल आ रही है, तो इसे दूर करने के लिए नेचुरल फ्रेशनर का स्प्रे बना लें। एक स्प्रे बोतल में पानी भर लें, उसमें एक नींबू का रस और दो से तीन चम्मच गुलाबजल के डाल दें। मिक्स करके इसे ऊनी कपड़ों पर छिड़काव कर दें। इस तरह के स्प्रे से वुलन जैकेट, स्वेटर सबसे नेचुरल भीनी सी स्मेल आएगी और आपके कपड़े भी फ्रेश महकेंगे।

कपूर का करें यूज

वुलन कपड़ों में किसी तरह की महक ना आए इसलिए जब भी इन्हें स्टोर करें तो कपूर लौंग की छोटी पोटली बांधकर वुलन्स के साथ रख दें। इसकी महक कपड़ों में फ्रेशनेस बनाकर रखेगी।

एसेंशियल ऑयल का स्प्रे

अगर आप भी वुलन स्वेटर, जैकेट, शॉल जैसे कपड़ों से बदबू हटाने के लिए एसेंशियल ऑयल को आलमारी में रखें। इसके लिए आप किसी छोटे कपड़े के टुकड़ें में लैवेंडर जैसे एसेंशियल ऑयल की बूंदों को डालकर ऊनी कपड़ों के बीच रख दें। इससे भी वुलन्स के कपड़ों में आ रही बदबू को दूर भागने में मदद मिलेगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लाल किला कार बम ब्लास्ट मामले से जुड़े दो केस दिल्ली ट्रांसफर

- सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा के मामलों को विशेष एनआईए अदालत में भेजा

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए कार बम विस्फोट मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ट्रांसफर याचिका मंजूर कर ली है। अदालत ने जम्मू-कश्मीर और हरियाणा में दर्ज दो मामलों को दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष एनआईए अदालत में स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। साथ ही तीन एफआईआर को एक साथ जोड़कर सुनवाई की अनुमति दी गई है। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस श्रीचंद्रशेखर की पीठ ने सोमवार को यह आदेश दिया। एनआईए ने अदालत में दलील दी थी कि तीनों एफआईआर लाल किला विस्फोट से जुड़ी कथित बड़ी साजिश और 'डॉक्टर मॉड्यूल' की जांच का हिस्सा हैं। एजेंसी के अनुसार, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और दिल्ली में फैले कथित 'व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल' की जांच में ये मामले आपस में जुड़े हुए हैं। मामला 10 नवंबर 2025 को लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर तीन के पास हुए कार विस्फोट से जुड़ा है। विस्फोट में 13 लोगों की मौत हुई थी। जांच के अनुसार कार को फरीदाबाद स्थित अल-फलाह यूनिवर्सिटी के डॉ. उमर नबी चला रहा था, जिसकी भी धमाके में मौत हो गई थी। एनआईए ने उसे कथित मुख्य साजिशकर्ता और आत्मघाती हमलावर बताया है।

अंदरुनी जासूसी और साइबर हमले से सेना को सबसे बड़ा खतरा : एयरफोर्स चीफ

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय वायुसेना प्रमुख आशुतोष दीक्षित ने चेतावनी दी है कि सेना को विदेशी जासूसी नेटवर्क से नहीं, बल्कि अंदरुनी लोगों से सबसे ज्यादा खतरा है। उन्होंने कहा कि ये नेटवर्क अब केवल हनी ट्रैप तक सीमित नहीं हैं, बल्कि साइबर जासूसी, सोशल मीडिया पर प्यार का झांसा, मल्टीलेवल मार्केटिंग और कर्ज के जाल में फंसाकर संवेदनशील जानकारी हासिल करने की कोशिश करते हैं। इस साल हनी ट्रैप के चार मामले सामने आए हैं। इन बढ़ते खतरों से निपटने के लिए सेना ने तकनीकी और संस्थागत स्तर पर कई कदम उठाए हैं। ये सुरक्षा व्यवस्था सरकारी क्षेत्र, डीआरडीओ की लैब और निजी रक्षा कंपनियों पर लागू होती है। वायुसेना प्रमुख दीक्षित ने बताया कि निजी रक्षा कंपनियों को नेटवर्क के सुरक्षित इस्तेमाल और सही सॉफ्टवेयर के चयन के लिए विशेष एजेंसी सलाह दे रही है। उन्होंने कंपनियों को इन सलाहों का पालन करने, जिससे ज्यादातर साइबर सुरक्षा खतरों से बचा जा सकता है।



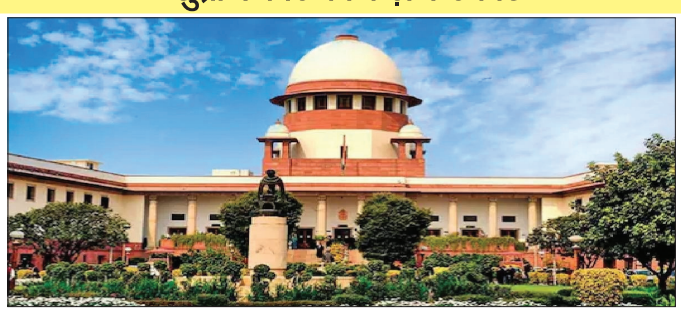
कुंडा में धीरेंद्र शास्त्री की श्रीराम कथा : सुरक्षा के कड़े इंतजाम

- 500 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी होंगे शामिल

प्रतापगढ़, एजेंसी। जिले के कुंडा स्थित बेंती राजभवन परेड ग्राउंड में 17 से 20 नवंबर तक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री भव्य श्रीराम कथा सुनाएंगे। इस चार दिवसीय धार्मिक आयोजन में कुंडा विधायक राजा भैया के विशेष निमंत्रण पर जोधपुर शिविर से 500 पाकिस्तानी हिंदू शरणार्थी भी शामिल होंगे। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद कर दिया है। पूरे कथा क्षेत्र को 9 सेक्टर और 7 जोन में बांटकर करीब एक हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। अपर पुलिस अधीक्षक बृजनंदन राय के अनुसार, कथा क्षेत्र को 9 सेक्टर और 7 जोन में विभाजित किया गया है, जिसकी निगरानी एक हजार से अधिक पुलिसकर्मी करेंगे। इनमें एक एसपी, तीन एडिशनल एसपी और छह सीओ सहित फतेहपुर, कौशाम्बी और प्रयागराज कमिश्नरेट का अतिरिक्त बल भी शामिल है। सीसीटीवी कैमरों और सादे कपड़ों में तैनात पुलिसकर्मियों से लगातार निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा के मद्देनजर 16 से 20 नवंबर तक कुंडा में रूट डायवर्जन लागू रहेगा और भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। बेंती में आयोजित इस कथा के लिए विशाल पंडाल तैयार किए गए हैं।

करोड़ों में रुपये हो गए खर्च, लेकिन फिर भी अभी तक यमुना प्रदूषित

सुप्रीम कोर्ट की कड़ी फटकार



नई दिल्ली , एजेंसी। यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गहरी नाराजगी जाहिर की है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद नदी की हालत में सुधार न होने और उलटा प्रदूषण बढ़ने पर जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने कड़ी फटकार लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि यमुना में गिरने वाले 520 नाले और नदी की दयनीय स्थिति दिखाती है कि इसके किनारे बसे शहरों और कस्बों का प्रशासन अपना काम ठीक से नहीं कर रहा है। शीर्ष न्यायालय ने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को कड़े निर्देश दिए हैं कि वह हर राज्य, केंद्र शासित प्रदेश और जिले में यमुना के एंट्री और एग्जिट पॉइंट्स पर पानी की गुणवत्ता की लगातार निगरानी करे। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि यदि किसी राज्य या जिले से गुजरने के दौरान नदी के पानी की गुणवत्ता खराब होती है, तब संबंधित प्राधिकरण को तत्काल इसके लिए जिम्मेदार माना जाएगा और उस पर जुर्माना भी लगाया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यमुना एक्शन प्लान (वायएपी) में दर्ज जानकारियों पर भी गंभीर संदेह व्यक्त किया। पीठ ने गौर किया कि प्लान में दिल्ली के जोन ओ के 35 जल निकायों और वेटलैंड्स को अतिक्रमण मुक्त बताया गया है, जबकि दिल्ली सरकार के अपने दस्तावेजों में इन सभी 35 जगहों पर अतिक्रमण दर्ज है। इस विरोधाभास पर कोर्ट ने कड़ी आपत्ति जताकर और एक्शन प्लान की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। प्रदूषण नियंत्रण के प्रयासों को मजबूत करने और जवाबदेही तय करने के लिए, कोर्ट ने सभी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एटीपी) और कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट (सीईटीपी) को एक महीने के भीतर छेड़छाड़-रोधी स्मार्ट एनर्जी मीटर लगाने का आदेश दिया है। इन मीटरों का लाइव डेटा भी ऑनलाइन अपलोड करना अनिवार्य होगा, ताकि प्लांट्स के कामकाज की वास्तविक समय में निगरानी हो सके। इसके अतिरिक्त, सीपीसीबी को हर तीन महीने में इन प्लांट्स का औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। इन सभी कदमों का लक्ष्य यमुना में प्रदूषण रोकने के लिए प्रभावी जिम्मेदारी तय करना और पूर्ण जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

सीआरपीएफ के तीन जवान पर हमला करने वाले दो आतंकियों को सेना ने किया ढेर

- इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल जो हमले का मास्टरमाइंड था

जम्मू, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के कुलगाम में भारतीय सेना ने कुलगाम में हुए एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकियों को ढेर कर दिया है, इसमें लश्कर का टॉप कमांडर लतीफ भट्ट भी शामिल है। लतीफ भारत के खिलाफ कई आतंकी घटनाओं को अंजाम दे चुका है। इस एनकाउंटर में भारतीय सेना और सीआरपीएफ के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस भी शामिल थी। दरअसल कुलगाम में हाल ही में आतंकी हमला हुआ था, जिसमें सीआरपीएफ के तीन जवान घायल हो गए थे। इस हमले के बाद सुरक्षा स्थिति का जायजा लेने सीआरपीएफ के डीजी ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह कश्मीर पहुंचे थे। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब लश्कर के आतंकवादी लतीफ भट की तलाश की जा रही थी। इस हमले का मास्टरमाइंड लतीफ ही था, जिसे एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया। सीआरपीएफ के एसडीजी संदीप खिरवार ने सोमवार को बताया कि कुलगाम जिले में 11 नवंबर को हुए हमले के बाद पूरे जम्मू-कश्मीर में अलर्ट जारी किया गया है। स्पेशल डीजी ने बताया कि सीआरपीएफ ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में अलर्ट बढ़ा दिया है, क्योंकि इस हमले में उसके तीन जवान घायल हो हुए थे। खास बात यह भी है कि सुरक्षाबलों को हमलावरों का सुराग पहले ही मिल गया था। कुलगाम हमले के 24 घंटे के अंदर ही आतंकवादियों ने किश्तवाड़ जिले में दो स्पेशल पुलिस ऑफिसर्स, बाबी चंद और यशपाल कुमार की हत्या कर दी थी। बताया जा रहा है कि ये दोनों एक आतंकवाद-विरोधी ऑपरेशन के दौरान सेना के साथ जुड़ने जा रहे थे।

कोर्ट ने आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेजा, अब सुनवाई 26 नवंबर को

- मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था, सपा नेता ने दी है चुनौती



गाजियाबाद, एजेंसी। समाजवादी पार्टी दिग्गज नेता आजम खान को कोर्ट से झटका लगा है। गाजियाबाद कोर्ट ने आजम खान को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस मामले में अगली सुनवाई 26 नवंबर को होगी। आजम खान को डासना जेल में रखा जाएगा। आजम खान को जौहर यूनिवर्सिटी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने हिरासत में लिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट यूपी के मंत्री और समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता आजम खान की उस याचिका पर सुनवाई कर रहा है जिसमें उन्होंने ईडी द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आजम खान पर आरोप है कि 31 अक्टूबर को दोहरे पैन कार्ड मामले में जेल से रिहा होने के ठीक 40 मिनट बाद ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। 5 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को हाईकोर्ट में ट्रांसफर कर दिया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संकेत दिया है कि वह आज़म खान को अंतरिम ज़मानत देने के पक्ष में है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी ने आजम खान से 4 दिन में 80 सवाल पूछे थे। इस मामले की जांच आखिरी चरण में है और जल्द ही ईडी अपनी चार्जशीट दाखिल करेगी। पूछताछ में ईडी को आजम खान ने कोई खास बयान नहीं दिया। रिपोर्ट के मुताबिक ईडी जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण में खर्च रकम और उसके स्रोत की जांच कर रही है। जौहर यूनिवर्सिटी की जमीन और 59 भवनों की 426.46 करोड़ रुपए की संपत्ति पहले ही अटैच कर चुकी है। इसके अलावा जो भी चंदा मिला है उनकी जानकारी ईडी खंगाल रही है। बता दें आजम खान 31 अक्टूबर 2026 को करीब 11 महीने बाद रामपुर जिला जेल से बाहर आए थे। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो पैन कार्ड मामले में उनकी 10 साल की सजा पर रोक लगाते हुए जमानत दे दी थी। जेल से बाहर आते ही आजम खान को ईडी ने गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद उन्हें डासना जेल भेजा गया था, उसके बाद ईडी ने पूछताछ के लिए अपनी कस्टडी में ले लिया था जिसको लेकर आजम खान ने चुनौती दी थी।

यूपी चुनाव: अखिलेश संग सीट शेयरिंग पर कांग्रेस में बना दी पांच सदस्यीय कमेटी

राहुल गांधी ने कहा, सपा के साथ कोई भी समझौता सम्मानजनक होना चाहिए



नई दिल्ली, एजेंसी । उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ सीट बंटवारे और गठबंधन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत के लिए पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी में पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल, यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, सांसद इमरान मसूद और प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना शामिल हैं। कांग्रेस की यह कमेटी सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ सीधे संवाद स्थापित कर सीटों के बंटवारे के जटिल फार्मूले पर मंथन करेगी और दोनों दलों के बीच समन्वय बनने का काम करेगी। कांग्रेस का कदम दिल्ली में हुई उच्चस्तरीय बैठक के बाद आया है, जिसमें उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की रणनीति पर गहन चर्चा हुई। इस बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि सपा के साथ कोई भी समझौता सम्मानजनक होना चाहिए। उन्होंने जोर दिया कि सभी सहयोगी दलों को साथ लेकर चलना होगा और समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन की महत्वपूर्ण साझेदार है। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, केसी वेणुगोपाल सहित प्रदेश के प्रमुख नेता मौजूद रहे। बैठक के उपरांत कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने पोस्ट कर जानकारी दी कि उत्तर प्रदेश के आने वाले चुनाव देश की राजनीति को नई दिशा देने वाले है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव की ओर देख रही है और सामाजिक न्याय, समान अवसर तथा वंचित वर्गों के अधिकारों को मजबूत होते देखना चाहती है। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने भरोसा जताया कि कांग्रेस पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर उत्तर प्रदेश की जनता के सामने एक मजबूत और विश्वसनीय विकल्प पेश करेगी। यह कमेटी उस समय बनी है जब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच गठबंधन को लेकर कुछ अहम मुद्दों पर सहमति नहीं बनी है, जिसके चलते पेंच फंसा हुआ है। पहला मुद्दा विधानसभा सीटों के बंटवारे का है। अखिलेश यादव ने हाल ही में दावा किया था कि कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश की कुल 403 सीटों में से 181 सीटों की मांग की है, जो सपा के लिए स्वीकार्य नहीं है। दूसरा मुद्दा स्वामी प्रसाद मौर्य को इंडिया गठबंधन में शामिल करने की कांग्रेस की कोशिश से जुड़ा है, इस प्रस्ताव को अखिलेश यादव ने सीधे तौर पर खारिज कर दिया है। राहुल गांधी से स्वामी प्रसाद मौर्य की मुलाकात के बाद उनके गठबंधन में शामिल होने की अटकलें तेज हुई थीं। इन जटिलताओं के बीच, कांग्रेस द्वारा गठित यह पांच सदस्यीय कमेटी इन महत्वपूर्ण मतभेदों को सुलझाने और आगामी चुनावों के लिए एक ठोस रणनीति तैयार करने में अहम भूमिका निभाएगी, जिससे इंडिया गठबंधन की एकजुटता और मजबूती सुनिश्चित की जा सके।

केंद्र सरकार के सामने महिला आरक्षण-परिसीमन पर समर्थन जुटाने की चुनौती

नई दिल्ली , एजेंसी। केंद्र सरकार महिला आरक्षण और परिसीमन विधेयक पर संसद का विशेष सत्र बुलाने के बारे में विचार रही है, हालांकि इस संबंध में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। उम्मीद जताई जा रही है कि सरकार विधेयकों को पारित कराने के लिए जरूरी दो तिहाई बहुमत से 15 से 18 वोट अधिक जुटा लेगी।

इस बार परिस्थितियां केंद्र सरकार के लिए बदली है। विपक्ष ने अप्रैल में एकजुट होकर सरकार के प्रस्ताव को रोक दिया था और एनडीए आवश्यक दो-तिहाई बहुमत नहीं जुटा सका था। लेकिन पिछले कुछ महीनों में टीएमसी और शिवसेना (उद्धव) के सांसदों के पाला बदलने के बाद लोकसभा में संख्याबल बदल गया है। डीएमके के इंडिया ब्लॉक से अलग होने के बाद विपक्षी खेमे की संख्या भी घटी है। इसके बावजूद सरकार के सामने संविधान संशोधन विधेयक पारित कराने के लिए पर्याप्त समर्थन जुटाने की चुनौती बनी हुई है। लोकसभा के मौजूदा गणित के मुताबिक, एनडीए के खेमे में कुल 321 सांसद हैं। इसमें लोकसभा अध्यक्ष भी शामिल हैं। इनमें टीएमसी के बागी 20 सांसद, शिवसेना के 13 सांसद भी शामिल हैं। इस तरह एनडीए का संख्याबल 321 तक पहुंच गया है।

हालांकि, इसमें लोकसभा अध्यक्ष भी शामिल हैं, जो सामान्य स्थिति में मतदान नहीं करते। इंडिया गठबंधन की लोकसभा में संख्या पहले 232 थी, जो अब घटकर 183 रह गई है। तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के अलग होने के बाद उसके आठ सांसद बचे हैं। शिवसेना (यूबीटी) के छह सांसदों के शिंदे गुट में जाने के बाद उसके तीन सांसद रह गए हैं। श्रीनगर के सांसद के इस्तीफे के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस का प्रतिनिधित्व भी घटा है। तमिलनाडु में कांग्रेस के टीवीके को समर्थन के बाद 22 लोकसभा सांसद वाली डीएमके भी इंडिया ब्लॉक से अलग है। इन बदलावों के बाद लोकसभा में इंडिया ब्लॉक का संख्याबल 183 रह गया है। अप्रैल 2026 में संविधान संशोधन विधेयक पर हुए मतदान में कुल 528 सांसदों ने हिस्सा लिया था। सरकार 54 वोट से पीछे रह गई थी।

सरकार के लिए सबसे अहम भूमिका उन 36 सासदों की हो सकती है जो न एनडीए में है और न ही इंडिया ब्लॉक में। इनमें डीएमके के 22 सांसद वाईएसआर कांग्रेस के चार, आम आदमी पार्टी के तीन, अकाली दल, झेडपीएम, एएसपी और एआईएमआईएम के एक-एक सांसद और तीन निर्दलीय शामिल है। इनमें डीएमके का रुख सबसे महत्वपूर्ण होगा। पार्टी इंडिया गठबंधन से अलग जरूर हो गई है, लेकिन परिसीमन के मुद्दे पर उसका सरकार के साथ आना आसान नहीं है। कांग्रेस के एक सांसद के मुताबिक 36 बिना खेमे वाले सांसदों में 28 इस बिल के विरोध में वोट कर सकते है। उम्मीद है कि डीएमके के 22, आप के 3, झेडपीएम, एआईएमआईएम, एएसपी के एक-एक सांसद भी है जो बिल के विरोध में वोट कर सकते है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि गृह मंत्री ने पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में तीन दिन का विशेष सत्र बुलाने और विधेयकों को 15-18 वोटों के अतर से पारित कराने का दावा किया है। याद दिलाया कि सरकार को 50 से अधिक वोटों से हार का सामना करना पड़ा था। राज्यसभा में सरकार के लिए संविधान संशोधन विधेयक पारित कराना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। बीजेपी के सूत्रों के मुताबिक, उच्च सदन में एनडीए के पास 155 सांसदों का समर्थन है, जबकि दो-तिहाई बहुमत के लिए 161 सदस्यों की जरूरत होगी। यानी सरकार यहां महज छह सांसद पीछे है। छह सासदों का समर्थन जुटाना सरकार के लिए लोकसभा के मुकाबले कम चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हालांकि, संविधान संशोधन विधेयक को दोनों सदनों में अलग-अलग विशेष बहुमत से पारित कराना अनिवार्य है।

मेज पर बैठते हैं तो सिर्फ दो देशों का व्यापार ही नहीं बाजार का मिजाज बदल जाता है

जयशंकर ने साफ कर दिया- भारत अमेरिका ट्रेड डील अब अपने आखिरी पड़ाव पर



नई दिल्ली , एजेंसी। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं भारत और अमेरिका जब ये दोनों देश किसी कागज पर दस्तखत करने के लिए एक मेज पर बैठते हैं तो सिर्फ दो देशों का व्यापार नहीं बदलता बल्कि पूरी दुनिया की सप्लाई चेन और बाजार का मिजाज बदल जाता है और इस वक्त दिल्ली से लेकर वाशिंगटन तक एक ही चर्चा भारत अमेरिका ट्रेड डील को लेकर सबसे तेज है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक मीडिया समिट में साफ कर दिया कि लंबे समय से अटका हुआ यह व्यापार समझौता अब अपने आखिरी पड़ाव पर है।

रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा भारत और अमेरिका ने व्यापार से जुड़े ज्यादातर मुद्दे सुलझा लिए हैं। बातचीत अब अंतिम चरण में है और यह समझौता जल्द हो सकता है, लेकिन उनके बयान का सबसे दिलचस्प हिस्सा वह है जहां उन्होंने गेंद सीधे अमेरिका के पाले में डाल दी है। जयशंकर ने स्पष्ट शब्दों में कहा अब बस कुछ आखिरी मुद्दे बचे हैं और इनमें से कोई हमारी तरफ से नहीं है क्योंकि हमारी तुलना में अमेरिकी पक्ष में ज्यादा बदलाव हुए हैं। उम्मीद है कि हम इसे जल्द ही पूरा कर लेंगे लेकिन अक्सर ऐसा होता है कि आखिरी दौर में हर कोई थोड़ा बेचैन हो जाता है।

विदेश मंत्री का इशारा साफ है भारत की नीतियों में निरंतरता रही है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट और टैरिफ नीतियों के कारण अमेरिकी पक्ष की प्राथमिकताओं और शर्तों में काफी बदलाव आए हैं। ऐसे में आखिरी वक्त की जो भी अड़चनें या बेचैनी है वो वाशिंगटन की तरफ से होने वाले बदलावों की वजह से है ना कि दिल्ली की वजह से। विदेश मंत्री का यह बयान ठीक उस वक्त आया है जब अगले ही महीने 14-15 दिसंबर को अमेरिका के फ्लोरिडा में जी-20 नेताओं का शिखर सम्मेलन होने जा रहा है। ट्रंप नेशनल डोरल मियामी फ्लोरिडा अमेरिका की अध्यक्षता में होगा। यह संभावित मुलाकात है इस समिट में पीएम मोदी के शामिल होने की संभावना है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस समिट में पीएम मोदी और ट्रंप के बीच द्विपक्षी मुलाकात हो सकती है। इसी मंच पर दोनों देशों के रिश्तों की नई दिशा तय होगी और पूरी उम्मीद जताई जा रही है कि भारत और अमेरिका इस बहु प्रतीक्षित ट्रेड डील का औपचारिक ऐलान कर सकते हैं। अब बात करेंगे आखिर इस ट्रेड डील में क्या-क्या दांव पर है। जब दो बड़े लोकतंत्र और बड़ी अर्थव्यवस्थाएं व्यापार समझौता करती हैं तो हर देश अपने किसानों, उद्योगों और आम नागरिक के हितों की रक्षा करना चाहता है। टैरिफ का पेंच है। ट्रंप प्रशासन की नीति रही है कि जो देश अमेरिकी सामान पर ज्यादा टैक्स लगाते हैं, अमेरिका भी उनके सामान पर उतना ही टैक्स लगाएगा। देश की एक बड़ी आबादी की आजीविका, खेती और पशुपालन पर निर्भर है। भारत किसी भी कीमत पर अपने किसानों के हितों से समझौता नहीं कर सकता।

उगते सूर्य को अर्घ्य के साथ संपन्न हुआ छठ महापर्व

नई दिल्ली, एजेंसी । देशभर में सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ चार दिवसीय लोकआस्था का महापर्व छठ संपन्न हो गया। यह पर्व सोमवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच गया। इस पावन अवसर पर देशभर के साथ-साथ नेपाल के बीरगंज सहित विभिन्न हिस्सों में भी श्रद्धालुओं ने भगवान सूर्य और छठी मैया की विधि-विधान से पूजा- अर्चना की। लोकआस्था, श्रद्धा और अटूट विश्वास के प्रतीक इस महापर्व के अंतिम दिन सोमवार तड़के से ही दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश, झारखंड सहित देश के कई राज्यों में नदी, तालाबों और विभिन्न स्थानों पर बनाए गए अस्थायी घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। व्रती महिलाएं और पुरुष पारंपरिक पूजा सामग्री, फल, ठेकुआ और अन्य प्रसाद से सजे दउरे लेकर घाटों पर पहुंचे। उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर सभी ने अपने परिवार की सुख-शांति, समृद्धि, संतान की दीर्घायु और खुशहाली की कामना की।

उत्तर प्रदेश में जनगणना-2027 का दूसरा चरण शुरू, सटीक आंकड़े ही विकास का आधार

लखनऊ, एजेंसी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनगणना-2027 के दूसरे चरण की शुरुआत की। उन्होंने इस मौके पर कहा कि गणना में समाज का कोई भी पात्र व्यक्ति छूटना नहीं चाहिए, क्योंकि सही और सटीक आंकड़े ही प्रदेश के समग्र विकास की योजनाओं का आधार बनने वाले है। देश के सबसे बड़े आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश से इस बड़े अभियान की शुरुआत हो रही है, जबकि अन्य राज्यों में यह प्रक्रिया फरवरी में शुरू होगी।

लोक भवन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जनगणना के आंकड़ों से यह तय करने में मदद मिलेगी कि प्रदेश में कहां स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं की जरुरत है। उन्होंने चेतावनी दी कि आंकड़ों में छूटने वाला व्यक्ति कई बार सरकारी योजनाओं के लाभ से भी वंचित रह जाता है। प्रदेश में 16 से 30 नवंबर तक स्वगणना की प्रक्रिया चलेगी। इसके बाद, 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक जनगणना कर्मी घर-घर जाकर लोगों की जानकारी जुटाएंगे। प्रगणक धर्म, जाति, शिक्षा, व्यवसाय और मातृभाषा सहित 40 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत जानकारी एकत्र की जाएगी। सीएम योगी ने अपने अनुभवों का जिक्र कर मुसहर समुदाय का उदाहरण दिया, जो समाज के सबसे वंचित वर्गों में शामिल था और पिछली जनगणनाओं में सही आकलन न होने के कारण दशकों तक सरकारी योजनाओं से वंचित रहा। उन्होंने बताया कि 2017 में प्रदेश में सरकार बनने के बाद इस तरह के वर्गों के लिए अलग से योजनाएं बनाकर उन्हें लाभान्वित किया गया।

मुख्यमंत्री योगी ने जनगणना अभियान से जुड़े अधिकारियों, पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों को निर्देश दिया कि वे घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करते समय विनम्रता और धैर्य का परिचय दें, स्वयं को एक राष्ट्रीय कार्य के प्रतिनिधि के रूप में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि कर्मियों को लोगों को यह समझाना चाहिए कि उनकी दी गई जानकारी पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और देश के विकास की योजनाएं तैयार करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने आगाह किया कि आंकड़ों में एक गलती भी देश और प्रदेश की भविष्य की योजनाओं को प्रभावित कर सकती है, इसलिए जनगणना का काम पूरी ईमानदारी और सावधानी से किया जाना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वल्कन रॉकेट धमाके में उड़ा : अमेजन के 40 सैटेलाइट तबाह

● यूएलए का 20 साल में पहला मिशन फेल

कैपकेनवेरल,एजेंसी। फ्लोरिडा से लांच किया गया अमेरिका का वल्कन रॉकेट अपनी उड़ान के महज 10 मिनट बाद ही धमाके के साथ फट गया। इस दुर्घटना में रॉकेट में ले जाए जा रहे अमेजन के 40 लियो ब्रॉडबैंड इंटरनेट सैटेलाइट पूरी तरह नष्ट हुए। यह बोइंग और लॉकहीड मार्टिन की संयुक्त कंपनी यूनाइटेड लांच अलायंस (यूएलए) के 20 साल के इतिहास में पहला ऐसा मिशन फेलियर है, जिसमें पूरी तरह विफलता मिली हो। वल्कन रॉकेट की यह मात्र पांचवीं उड़ान थी, और नौ महीने के अंतराल के बाद यह उसकी पहली उड़ान थी। इससे पहले भी इसकी दो उड़ानों में सॉलिड बूस्टर के नोजल में तकनीकी दिक्कतें आ चुकी थीं, जिन्हें ठीक करने में खासा वक्त लगा था। इस विफलता से अमेजन को बड़ा झटका लगा है। कंपनी को जुलाई 2029 तक कुल 3,232 सैटेलाइट ऑर्बिट में स्थापित करने हैं। अब तक अमेजन ने सिर्फ 396 सैटेलाइट ही लांच किए हैं, यह मिशन सफल होता, तब यह संख्या 436 तक पहुंच जाती और वल्कन के साथ 38 लांच की डील भी शुरू हो जाती। अमेजन ने 2026 के अंत तक अमेरिका और ब्रिटेन में अपनी लियो (लिया) सेवा शुरू करने की योजना बनाई है, लेकिन अब यह शेड्यूल जांच के नतीजों पर निर्भर करेगा। 2006 में स्थापित यूएलए बोइंग और लॉकहीड मार्टिन का एक संयुक्त उद्यम है। वल्कन रॉकेट को कंपनी के पुराने एटलस-5 रॉकेट की जगह लेने के लिए विकसित किया गया था। इस गंभीर विफलता के बाद, वल्कन रॉकेट को लंबे समय तक ग्राउंडेड रहना पड़ सकता है, जब तक इंजीनियर टेलीमेट्री डेटा की गहन जांच कर खराबी का पता नहीं लगा लेते।

अफगानिस्तान में 5.1 तीव्रता का आया भूकंप

● दुनिया में बढ़ रहीं हैं भूकंप की घटनाएं

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत सहित दुनिया के कई देशों में हाल के समय में भूकंप की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इस प्राकृतिक आपदा ने बीते कुछ समय में हजारों लोगों की जान ली है, जिससे लोगों के मन में भूकंप को लेकर भय बढ़ रहा है। इसी क्रम में भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भी हाल ही में सोमवार को तड़के धरती भूकंप के झटकों से हिल उठी। यह झटका 5.1 तीव्रता का था, जिसने एक बार फिर वैश्विक चिंता को बढ़ा दिया है। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के अनुसार, यह भूकंप सोमवार सुबह 3 बजकर 7 मिनट पर आया। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5.1 मापी गई। भूकंप का केंद्र धरती से 179 किलोमीटर की गहराई पर स्थित था। राहत की बात यह है कि अब तक इस भूकंप के कारण किसी भी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर सामने नहीं आई है। यह पहला मौका नहीं है जब अफगानिस्तान में भूकंप के झटके महसूस किए गए हों। इससे पहले, सितंबर महीने में भी दो बार देश में धरती हिली थी। 7 सितंबर को आए भूकंप की तीव्रता 4.1 थी, जिसका केंद्र धरती से 130 किलोमीटर नीचे था। इसके दो दिन बाद, 9 सितंबर को भी 4.2 तीव्रता का एक और भूकंप अफगानिस्तान में दर्ज किया गया था, जिसने लगातार बढ़ती भूकंपीय गतिविधियों की ओर इशारा किया था।

सऊदी अरब में हूती हमलों का दावा, मक्का पर आरोपों की जंग

रियाद। यमन के हूती विद्रोहियों ने रविवार शाम सऊदी अरब की राजधानी रियाद में किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को दो बैलिस्टिक मिसाइलों से निशाना बनाने का दावा किया। सऊदी अधिकारियों ने अब तक इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। हूती सैन्य प्रवक्ता याह्या सरी ने यह भी बताया कि उनके समूह ने रियाद के पास सऊदी अरब की ईस्ट-वेस्ट तेल पाइपलाइन के दो पंपिंग स्टेशनों पर भी ड्रोन हमले किए। यह दावा ऐसे समय आया है जब सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन ने मक्का और मदीना की ओर बढ़ रहे तीन ड्रोन मार गिराने की बात कही थी। गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मालिकी ने हूतियों पर मक्का को निशाना बनाने की कोशिश का आरोप लगाया।

किसी मित्र देश के आंतरिक मामलों में विदेशी राजनीतिक को दखल नहीं देना चाहिए

इटली की सांसद बर्गमिनी ने की फिलिबेक के वोट चोर, गद्दी छोड़ नारा लगाने की आलोचना

रोम, एजेंसी। इटली की सांसद डेबोरा बर्गमिनी ने पार्टी ऑफ यूरोपियन सोशलिस्ट्स के महासचिव जियाकोमो फिलिबेक के बीजेपी पर निशाना साधते हुए वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे लगाने की आलोचना की है। बर्गमिनी ने कहा कि किसी मित्र देश के आंतरिक राजनीतिक मामलों में विदेशी राजनीतिक प्रतिनिधियों को दखल नहीं देना चाहिए। एक्स पर एक पोस्ट में इटली सांसद बर्गमिनी ने कहा कि भारत के पास अपने आंतरिक राजनीतिक विवादों को सुलझाने के लिए अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका मौजूद हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बर्गमिनी ने इटली और भारत के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी का भी जिक्र किया और कहा कि यूरोपीय प्रतिनिधियों का भारत को लोकतंत्र पर सीख देना सही नहीं है। डेबोरा बर्गमिनी फोर्जा इटालिया की सदस्य और राष्ट्रीय उप-महासचिव हैं। यह एक मध्य-दक्षिणपंथी राजनीतिक दल है, जो इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की सरकार का समर्थन करने वाले गठबंधन का हिस्सा है। बर्गमिनी की यह टिप्पणी तब आई है, जब फिलिबेक ने हैदराबाद में कांग्रेस द्वारा आयोजित भारत समिट 2026 में हिस्सा लेते हुए बीजेपी के नेतृत्व वाली सरकार पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया।



उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस के प्रति अपना समर्थन भी जताया। यूरोपियन सोशलिस्ट्स एंड डेमोक्रेट्स समूह के एक इतालवी प्रतिनिधि ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेते हुए पीएम मोदी और बीजेपी पर हमला बोला और कहा- वोट चोरों, गद्दी छोड़। बर्गमिनी ने कहा कि यह मामला भारतीय विपक्ष द्वारा सत्ताधारी दल की आलोचना से जुड़ा है। यह आलोचना मतदाता सूची में लंबे समय से लंबित संशोधन को लेकर है एक ऐसी प्रक्रिया जिसका उद्देश्य दोहरी प्रविष्टियों, मृत व्यक्तियों के नामों और अपनी जगह बदल चुके लोगों के नामों को सूची से हटाना है।

उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि लोकतंत्र में हर किसी को अपनी बात रखने या आरोप लगाने की पूरी आजादी है बशर्ते वे अपने दावों को सही साबित कर सकें। भारत के पास अपनी राजनीतिक संस्थाएं और न्यायपालिका है; किसी भी तरह के टकराव या विवाद का समाधान लोकतंत्र के स्थापित नियमों के अनुसार ही किया जाना चाहिए।

बता दें हैदराबाद में आयोजित भारत समिट 2026 से शुरू होता है। जहां राहुल गांधी समेत कई विदेशी नेता भी शामिल हुए थे। इस कार्यक्रम में फिलिबेक ने राहुल गांधी का समर्थन किया था। फिलिबेक ने कहा था कि भारतीय लोकतंत्र के सामने मौजूद चुनौतियों की ओर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच अहम हैं। इन टिप्पणियों की भाजपा नेताओं ने आलोचना की। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी राजनीतिक हस्तियों के दखल को लेकर कांग्रेस पर परोक्ष रूप से निशाना साधा। उन्होंने एक्स पर लिखा- क्या आपने कभी किसी को तब हंसते हुए देखा है, जब कोई विदेशी भारत का अपमान करता हो? मैं यह नहीं पूछ रहा कि कौन सा भारतीय विदेश जाकर भारत का अपमान करता है। तेलंगाना बीजेपी अध्यक्ष एन रामचंद्र राव ने भी शिखर सम्मेलन में लोकतंत्र पर राहुल गांधी की टिप्पणी की आलोचना की और उनसे माफी की मांग की।

नियमों के उल्लंघन पर मेटा पर लगा 8,360 करोड़ रुपए का जुर्माना

● बिना मंजूरी लिए यूजर्स की फोटो और वीडियो देखने का है आरोप

रोम,एजेंसी। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा की मुश्किलें बढ़ गई हैं। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने फेसबुक के गैलरी एक्सेस फीचर पर नियमों के उल्लंघन के चलते मेटा पर 805 मिलियन यूरो यानी करीब 8,360 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने कंपनी पर 805 मिलियन यूरो यानी करीब 8,360 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आरोप है कि फेसबुक ऐप के एक फीचर के जरिए एंड्राइड यूजर्स के फोन की निजी फोटो और वीडियो तक पहुंच बनाई गई, जबकि इसके लिए यूजर्स से अलग और साफ मंजूरी नहीं ली गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस मामले से इटली के करीब 2 करोड़ एंड्राइड यूजर्स प्रभावित हो सकते हैं। यह जुर्माना मेटा के ग्लोबल रेवेन्यू का करीब 0.47 फीसदी है। यह मामला फेसबुक ऐप के गेट सिच्युएशन फार्म गैलेरी फीचर से जुड़ा है। इस फीचर का काम यूजर्स को उनके फोन की गैलरी में मौजूद फोटो और वीडियो पोस्ट करने के लिए सुझाना था। मीडिया रिपोर्ट में इटली की अथॉरिटी के मुताबिक यह फीचर डिफॉल्ट रूप से चालू था। फेसबुक ने पूरे ऐप के लिए एक ही परमिशन मांगी थी, लेकिन यूजर्स को साफ तौर पर नहीं बताया गया कि इस परमिशन से ऐप उनकी निजी गैलरी के फोटो और वीडियो के आधार पर सुझाव भी तैयार करेगा। इटली की डेटा प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने मेटा को 60 दिन का समय दिया है। कंपनी को इस फीचर को डिफॉल्ट रूप से बंद करना होगा, साथ ही इसे इस्तेमाल करने से पहले यूजर्स से अलग और मंजूरी लेनी होगी। अथॉरिटी ने कहा है कि वह मेटा के एक दूसरे फीचर की भी अलग से जांच कर सकती है। यह फीचर 2026 में लॉन्च हुआ था और यूजर्स की गैलरी के कंटेंट को क्लाउड पर प्रोसेस करता है। मेटा ने इस फैसले से असहमति जताई और इसके खिलाफ अपील करने की बात कही है। कंपनी का कहना है कि यह एक सामान्य फीचर है, जो लोगों को फेसबुक पर फोटो और वीडियो पोस्ट करने में मदद करता है। कंपनी के मुताबिक यूजर्स अपने फोन की सेटिंग में जाकर इसकी परमिशन बदल सकते हैं। इस मामले की जांच में यह पता नहीं लगाया गया कि यूजर्स की फोटो और वीडियो का इस्तेमाल एआई मॉडल को ट्रेन करने के लिए हुआ था या नहीं। मेटा ने ऐसे इस्तेमाल से इनकार किया है।

ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने की युद्ध में यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों के जज्बे की सराहना

कीव,एजेंसी। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी ने यूक्रेन के घायल पूर्व सैनिकों की रविवार को सराहना करते हुए उन्हें समाज के लिए आदर्श बताया और कहा कि कीव को इन सैनिकों को लगातार सहयोग देना चाहिए। हैरी ने युद्धग्रस्त यूक्रेन की अपनी अघोषित सप्ताहांत यात्रा पूरी की। युद्ध शुरू होने के बाद हैरी की यह यूक्रेन की चौथी यात्रा थी। वहीं पश्चिमी शहर लीव का उनका यह दूसरा दौरा था। उन्होंने लीव में 'सुपरह्यूमन्स सेंटर' में मरीजों और कर्मचारियों से मुलाकात की। यह एक हड्डी रोग एवं पुनर्वास केंद्र है, जहां घायल सैन्यकर्मियों और आम नागरिकों का इलाज किया जाता है। हैरी ने 'इन्विक्टस गेम्स' के लिए चयन ट्रायल के दौरान कहा कि हमने इन सैनिकों के वर्दी पहनने से पहले ही उनमें निवेश किया है और जब वे वर्दी उतार दें, तब भी हमें उनका साथ देना और उन पर निवेश करना जारी रखना चाहिए।



'इन्विक्टस गेम्स' पैरालंपिक खेलों की तर्ज पर आयोजित होने वाला एक खेल आयोजन है। इसकी शुरुआत हैरी ने दुनिया भर के पूर्व सैनिकों को युद्ध में लगी चोटों से उबरने और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से की थी। अफगानिस्तान में सेवा दे चुके ब्रिटिश सेना के पूर्व सैनिक हैरी ने शनिवार को व्हीलचेयर पर बैठे रग्बी के खिलाड़ियों के बीच मुकाबला देखा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने पिकलबॉल खिलाड़ियों का मुकाबला भी देखा। इनमें से कई खिलाड़ी कृत्रिम अंगों का इस्तेमाल करते हैं। ये खिलाड़ी अगले साल इंग्लैंड के बर्मिंघम में होने वाले 'इन्विक्टस गेम्स' में यूक्रेन का प्रतिनिधित्व करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। 'ड्यूक ऑफ ससेक्स' हैरी ने यूक्रेन के लोगों के धैर्य और मुश्किल हालात का सामना करने की उनकी क्षमता की सराहना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि युद्ध जल्द ही समाप्त होगा। उन्होंने कहा कि दुनिया के बाकी देश आपका समर्थन करते रहेंगे।

भारत और सोमालिया के बीच 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर खत्म

दोनों देशों ने व्यापार, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा में सहयोग बढ़ाने संभावनाएं तलाशीं

मोगादिशु, एजेंसी। भारत और सोमालिया ने रविवार को मोगादिशु में 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर आयोजित हुआ। इस दौरान दोनों देशों ने द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की और व्यापार, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की संभावनाएं तलाशीं। विदेश मंत्रालय के एक बयान के मुताबिक बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव सुरेश कुमार एम और सोमालिया के विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय के स्थायी सचिव हमजा अदन हादू ने की।



मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नई दिल्ली और मोगादिशु ने शनिवार को सोमालिया की राजधानी में एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत द्विपक्षीय संबंधों की नियमित समीक्षा के लिए एक व्यवस्थित तंत्र स्थापित किया गया। इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद रविवार को 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का पहला दौर हुआ। बयान में कहा गया है कि बैठक में दोनों पक्षों ने व्यापार एवं निवेश, स्वास्थ्य एवं दवा, एसएमई, विकास साझेदारी, रक्षा, सुरक्षा, वाणिज्य दूतावास संबंधी मामलों, संस्कृति और लोगों के बीच आपसी संपर्क समेत द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की। इसमें कहा गया कि चर्चा के दौरान क्षेत्र में समुद्री डकैती की बढ़ती घटनाओं से प्रभावी ढंग से निपटने और जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को लेकर विचार-विमर्श किया गया।

बयान के मुताबिक दोनों पक्षों ने आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा की। दोनों देशों ने आपसी हित के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय मंचों पर अपने करीबी समन्वय और सहयोग की सराहना की। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और सोमालिया के बीच लंबे समय से मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। भारत सोमालिया के शीर्ष तीन व्यापारिक साझेदारों में शामिल है। इसने कहा कि भारत एक भरोसेमंद विकास साझेदार भी है और चिकित्सा उपचार और उच्च शिक्षा के लिए सोमालिया के नागरिकों की पसंदीदा जगह है। दोनों पक्षों ने 'विदेश कार्यालय परामर्श' बैठक का अगला दौर आपसी सहमति से तय तारीख पर भारत में आयोजित करने पर सहमति जताई। यह बैठक विदेश मंत्रालय में सचिव रंगनाथन की सोमालिया यात्रा का हिस्सा थी।

रिपोर्ट के मुताबिक रंगनाथन ने सोमालिया के रक्षा मंत्री अहमद मुअल्लिम फिकी से भी मुलाकात की और विशेष रूप से समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद से मुकाबले तथा क्षमता निर्माण के क्षेत्रों में रक्षा सहयोग मजबूत करने पर चर्चा की। उन्होंने उपविदेश मंत्री हसन मोहम्मद अली से भी मुलाकात की। इस दौरान व्यापार, चिकित्सा सहयोग, शिक्षा, क्षमता निर्माण और क्षेत्र के हालिया भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा हुई। रंगनाथन ने मोगादिशु में भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी बातचीत की और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार भारतीय प्रवासियों के कल्याण के लिए पूरा सहयोग देगी।

धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता

पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते मारे गए लोगों के लिए मांगा न्याय

पुकाल्पा, एजेंसी। 14वें पोप लियो ने अमेजन के जंगलों की रक्षा करते हुए मारे गए पर्यावरण कार्यकर्ताओं के लिए रविवार को न्याय की मांग की और स्थानीय आदिवासी समुदायों की उन कोशिशों का समर्थन किया जिनका उद्देश्य उनकी जमीन को पेड़ों की कटाई, अवैध खनन एवं ''वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा'' से होने वाले नुकसान से बचाना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण अमेरिका की अपनी यात्रा के अंतिम चरण में पोप लियो पेरू के अमेजन वर्षावन क्षेत्र पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पोप फ्रांसिस की उन प्रमुख शिक्षाओं को दोहराया जिनमें समाज के सबसे कमजोर वर्गों की देखभाल को ईश्वर की सृष्टि की रक्षा करने के समान बताया। पोप लियो ने पुकाल्पा शहर में उकायाली नदी के किनारे एकत्र आदिवासी समुदायों के प्रतिनिधियों और मिशनरियों को संबोधित करते हुए कहा कि धरती की पुकार और गरीबों की पुकार को एक-दूसरे से अलग नहीं किया जा सकता।

रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि वह न्याय और शांति की तलाश कर रहे आदिवासी समुदायों का समर्थन करने के लिए पुकाल्पा आए हैं। उन्होंने पर्यावरण संगठनों के अनुमानों का हवाला देते हुए कहा कि 2010 से 2024 के बीच पर्यावरण की रक्षा करने वाले 57 कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। पोप लियो ने कहा कि इन भाइयों का खून ईश्वर से न्याय की गुहार लगा रहा है। उनकी इस टिप्पणी पर वहां मौजूद लोगों ने तालियां बजाईं। अमेजन में दशकों से जारी वनों की कटाई के अलावा सोने का अवैध खनन तेजी से मुनाफे वाला कारोबार बन गया है। कटाई से जंगलों को भारी नुकसान पहुंच रहा है और नदियां प्रदूषित हो रही हैं। खनन करने वाले सोना निकालने के लिए अस्थायी उपकरणों और पारे जैसी जहरीली धातु का इस्तेमाल करते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक आदिवासी समुदायों के साथ मुलाकात और इसके बाद पुकाल्पा में आयोजित प्रार्थना सभा में पोप लियो ने आर्थिक विकास का ऐसा मॉडल अपनाने का आह्वान किया जो बाहरी लोगों द्वारा प्राकृतिक संसाधनों के ''गैरजिम्मेदाराना दोहन'' के बजाय धरती और उसकी देखभाल करने वाले आदिवासी समुदायों का सम्मान करे। उन्होंने कहा कि बुराइयों का सामना करते हुए हमें ईश्वर के उपहारों को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए, क्योंकि वही हमें वर्चस्व कायम करने की कभी न खत्म होने वाली लालसा से पैदा हुई पीड़ा को दूर करने और नुकसान की भरपाई करने की शक्ति देते हैं। पोप लियो ने उत्तरी अमेजन के कोंडोरकानकी प्रांत में अवाजुन और वाम्पिस आदिवासी समुदायों की स्कूली छात्राओं के खिलाफ यौन हिंसा के मामलों में हुई चिंताजनक वृद्धि का भी उल्लेख किया।



ऑस्ट्रेलिया में मना छठ महापर्व, दो हजार से ज्यादा प्रवासी बिहारी परिवार हुए शामिल

भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी

सिडनी,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बसे प्रवासी बिहारी समुदाय ने छठ महापर्व को पूरे उत्साह, श्रद्धा और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया। बिहार झारखंड कम्युनिटी ऑस्ट्रेलिया (बीजेसीए) के सहयोग से सिडनी में 25 से ज्यादा स्थानों पर छठ पूजा का आयोजन किया गया। इस आयोजन में दो हजार से ज्यादा बिहारी परिवारों ने भाग लिया। इस आयोजन ने ऑस्ट्रेलिया की धरती पर भारतीय संस्कृति, लोक आस्था और बिहार की समृद्ध परंपराओं की अनूठी छाप छोड़ी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेसीए समिति के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। समिति की



सदस्य ने कहा कि छठ पर्व बिहारियों के दिलों में बसता है। सिडनी में बिहारी परिवारों का एकजुट होकर इस पर्व को मनाना हमारी संस्कृति और परंपरा की ताकत को दर्शाता है। वैश्विक बिहारी समुदाय के नेता ने छठ को बिहारी पहचान और अस्मिता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि सिडनी में जिस भव्यता और श्रद्धा के साथ छठ मनाया गया, वह साबित करता है कि बिहारी दुनिया के किसी भी कोने में रहें, बिहार हमेशा उनके दिल में बसता है।

बीजेसीए सिडनी के बिहारी परिवारों का प्रतिनिधित्व करने वाला प्रमुख सामुदायिक संगठन बन चुका है। संगठन बिहार, पूर्वांचल और झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को ऑस्ट्रेलिया में आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहा है। बता दें छठ पर्व भारत के सबसे पवित्र और कठिन लोक पर्वों में से एक है, जो मुख्य रूप से बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के तराई क्षेत्रों में मनाया जाता है। यह पर्व सूर्य देव और छठी माता को समर्पित है। इसमें डूबते और उगते सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है, जो प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और अटूट आस्था का अनूठा प्रतीक है।

थाईलैंड के फुकेट में लगी आग, 11 की जिंदा जलकर मौत, 36 घायल

बैंकॉक , एजेंसी। थाईलैंड के लोकप्रिय पर्यटक स्थल फुकेट के पातोंग में तड़के भीषण आग लगने से कम से कम 11 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जबकि 36 लोग घायल हुए हैं। यह दर्दनाक हादसा तड़के करीब 3:20 बजे फांग मुआंग साई कोर रोड स्थित एक कमर्शियल बिल्डिंग में हुआ। आग इतनी तेजी से फैली कि गहरी नींद में सो रहे लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला और इसने देखते ही देखते आसपास की अन्य इमारतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकलकर्मियों ने लगभग 40 से 50 मिनट की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने आग लगने के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए गहन जांच शुरू कर दी है।

हसीना के पैतृक गृह जिले गोपालगंज में हिंसा, डीसी,एसपी का तबादला

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के पैतृक जिले गोपालगंज में प्रतिबंधित आवामी लीग और उससे जुड़े संगठनों के समर्थकों के प्रदर्शनों के बाद हिंसा और अशांति की कई घटनाएं सामने आई हैं। शेख हसीना और आवामी लीग से जुड़े होने के कारण इस जिले का राजनीतिक महत्व काफी है। हाल ही में यहां रैलियां, तोड़फोड़ और झड़पें हुई हैं, जिनमें प्रदर्शनकारियों को कथित तौर पर लाठी और चाकू जैसे स्थानीय हथियारों से लैस देखा गया। इन घटनाओं के बाद, बांग्लादेश सरकार ने गोपालगंज के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) और सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (एसपी) का तबादला कर दिया है। एक स्थानीय अखबार ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से आवामी लीग के नेता और कार्यकर्ता गोपालगंज में सड़कें ब्लॉक कर रहे हैं और जुलूस निकाल रहे हैं। रविवार को उन्हें डंडे और चप्पू सहित कई लोकल हथियारों से लैस होकर विरोध मार्च और रैलियां करते देखा गया। रिपोर्ट में आगे कहा गया कि इन जुलूसों में से एक पुलिस आर्मर्ड पर्सनल कैरियर (एपीसी) और एक पुलिस बॉक्स में तोड़फोड़ की गई। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जुलाई मॉन्यूमेंट और हादी स्क्वायर की पट्टिकाओं को भी क्षतिग्रस्त किया। सरकार ने स्थिति नियंत्रण में लाने के लिए गोपालगंज में बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के छह टुकड़ियों को तैनात किया है। अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के दिसंबर में बांग्लादेश लौटने की घोषणा के बाद, गोपालगंज में आवामी लीग की गतिविधियां बढ़ी हैं। बांग्लादेश के कानून मंत्री मोहम्मद असदुज्जमां ने कहा है कि शेख हसीना की वापसी प्रत्यर्पण संधि के तहत कानूनी प्रक्रिया से होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल के फैसले के खिलाफ अपील की निर्धारित समयसीमा समाप्त होने के बाद देरी माफ करने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। ट्रिब्यूनल के मुख्य अभियोजक अमीनुल इस्लाम के मुताबिक, फैसले के प्रकाशन के 30 दिनों के भीतर अपील दाखिल करने का प्रावधान है। गौरतलब है कि 17 नवंबर 2025 को इंटरनेशनल क्राइम्स ट्रिब्यूनल-1 ने जुलाई 2024 के विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामले में शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई थी, जिसका पूरा विवरण 13 जनवरी 2026 को प्रकाशित किया गया था।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के डिंडोली में प्रेम संबंध के विवाद में युवक की हत्या,आरोपी दंपती गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com



सूरत के डिंडोली इलाके में हुई सनसनीखेज हत्या के मामले में डिंडोली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। साईं पॉइंट के पास लक्ष्मीनारायण सोसायटी में एक युवक की धारदार हथियार से हमला कर हत्या करने के बाद फरार हुए आरोपी दंपती को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

मृतक की पहचान राजेश रामस्वरूप मिश्रा के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, राजेश आरोपी रामप्रसाद मवासी की पत्नी राजाबाई उर्फ रानी के साथ प्रेम संबंध में था और काफी समय से दोनों साथ रह रहे थे।

पुलिस में दर्ज शिकायत के अनुसार, 20 अक्टूबर 2026 की रात 8 बजे से 23 अक्टूबर की सुबह 7 बजे के बीच किसी समय आरोपी दंपती ने आपसी मदद से राजेश के चेहरे पर धारदार हथियार से जानलेवा हमला किया। गंभीर चोटों के कारण राजेश की मौत हो गई। वारदात के बाद आरोपियों ने मकान को बाहर से बंद कर ताला लगाया और मौके से फरार हो गए।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस कमिश्नर वाबांग जामीर सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद डिंडोली पुलिस के पीआई पी.एल. वाघेला और सेकंड पीआई जे.एम. खांट के मार्गदर्शन में सर्विलांस टीम की अलग-अलग टीमें बनाई गईं।

साईं पॉइंट के पास लक्ष्मीनारायण सोसायटी में हुई थी वारदात, धारदार हथियार से चेहरे पर हमला कर की थी हत्या; टेक्निकल सर्विलांस की मदद से पुलिस ने दोनों को पकड़ा।

पुलिस ने ह्यूमन इंटेलिजेंस और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से लगातार आरोपियों की तलाश की। आखिरकार पुलिस ने रामप्रसाद भैयालाल मवासी (50) और उसकी पत्नी राजाबाई उर्फ रानी (46) को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि 21 अक्टूबर की रात किसी बात को लेकर राजेश और आरोपियों के बीच कहासुनी हुई थी।

इसके बाद आरोपी दंपती ने मिलकर धारदार हथियार से राजेश के चेहरे पर गंभीर वार किए, जिससे उसकी मौत हो गई।

इस मामले में डिंडोली पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1), 54 और गुजरात पुलिस अधिनियम की धारा 135(1) के तहत मामला दर्ज है। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

सूरत की नई सिविल अस्पताल में मरीजों को बड़ी राहत

अब एक्स-रे और CT स्कैन की रिपोर्ट WhatsApp पर मिलेगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत की नई सिविल अस्पताल में मरीजों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की गई है। अब अस्पताल के रेडियोलॉजी विभाग में होने वाले एक्स-रे और ष्टज्ञ स्कैन की रिपोर्ट मरीजों को WhatsApp के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी।

इस नई व्यवस्था के शुरू होने से मरीजों और उनके परिजनों को रिपोर्ट लेने के लिए बार-बार अस्पताल के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही रिपोर्ट समय पर मिलने से डॉक्टरों को इलाज की प्रक्रिया जल्द शुरू करने में भी मदद मिलेगी।

रिपोर्ट लेने के लिए अस्पताल के चक्कर लगाने से मिलेगी मुक्ति, मरीजों के मोबाइल पर सीधे भेजी जाएगी रिपोर्ट।



अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, किडनी बिल्डिंग, स्टेम सेल बिल्डिंग और रेडियोलॉजी विभाग में होने वाले एक्स-रे और ष्टज्ञ स्कैन की रिपोर्ट इस सुविधा के अंतर्गत ऑनलाइन उपलब्ध कराई जाएगी।

रिपोर्ट सॉफ्टवेयर में दर्ज होने के बाद रेडियोलॉजिस्ट द्वारा वेरिफाई की जाएगी और इसके बाद सीधे मरीज के मोबाइल नंबर पर WhatsApp के जरिए भेज दी जाएगी।

इस सुविधा को रेडियोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. पूर्वी देसाई, डॉ. हिनल भगत और सिस्टम मैनेजर विरट्ठु पटेल के सुझावों के आधार पर मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. पारुल वडगामा के मार्गदर्शन में लागू किया गया है।

इसके प्रभावी संचालन में इंचार्ज आरएमओ डॉ. लक्ष्मण ताहिलियानी, किडनी बिल्डिंग के नोडल अधिकारी डॉ. भरत चावड़ा और नर्सिंग सुपरिटेंडेंट नीरजाबेन पटेल की अहम भूमिका रही है।

अस्पताल प्रशासन की इस पहल से मरीजों का समय बचेगा, रिपोर्ट मिलने में होने वाली देरी कम होगी और इलाज की प्रक्रिया पहले से अधिक तेज, आसान और सुविधाजनक बन सकेगी।

सूरत के कतारगाम में घरफोड़ चोरी का खुलासा, शातिर चोर गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com



सूरत के कतारगाम इलाके में घरफोड़ चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले एक शातिर चोर को कतारगाम पुलिस ने गिरफ्तार कर चोरी का मामला सुलझा लिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक, कतारगाम की श्रीनिकेतन सोसायटी स्थित मकान नंबर 41 में रहने वाले शिकायतकर्ता नीरवभाई महेशभाई पारिख के घर में 10 नवंबर 2026 की रात करीब 12:30 बजे से 2:55 बजे के बीच चोरी हुई थी। अज्ञात चोर घर में घुसकर अंदर रखी लकड़ी की अलमारी के छोटे खाने से सोने के आभूषण, एक आईफोन और 7 हजार रुपये नकद चोरी कर फरार हो गया था। चोरी गए सामान की कुल कीमत करीब 2 लाख 16 हजार 876 रुपये बताई गई थी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए सूरत पुलिस कमिश्नर वाबांग जामीर और वरिष्ठ अधिकारियों ने संपत्ति संबंधी अपराधों पर अंकुश लगाने तथा आरोपियों को जल्द पकड़ने के निर्देश दिए थे।

इसके बाद कतारगाम पुलिस स्टेशन के पीआई एल.आर. गोकिल के मार्गदर्शन में सर्विलांस पीएसआई एन.एस. साकरिया ने अलग-अलग टीमें बनाकर जांच शुरू की। पुलिस ने ह्यूमन इंटेलिजेंस, सीसीटीवी फुटेज और टेक्निकल सर्विलांस की मदद से आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया।

श्रीनिकेतन सोसायटी के मकान को बनाया था निशाना, सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल और चोरी का सामान बरामद; आरोपी का पहले से आपराधिक रिकॉर्ड।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान रुस्तम उर्फ बंदर फिरोज मियाणा (22) के रूप में हुई है। आरोपी कोसाड आवास, अमरोली और रांदेर के बापूनगर झोपड़पट्टी क्षेत्र में रहता है।

आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास

पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ अडाजण, रांदेर, अमरोली और जहांगीरपुरा सहित विभिन्न पुलिस थानों में पहले भी चोरी और अन्य अपराधों के मामले दर्ज हैं। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2024 में ष्ट्र के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है। इसके अलावा उमरा पुलिस स्टेशन में वर्ष 2026 के दौरान भी उसके खिलाफ कई मामले दर्ज होने का उल्लेख है।

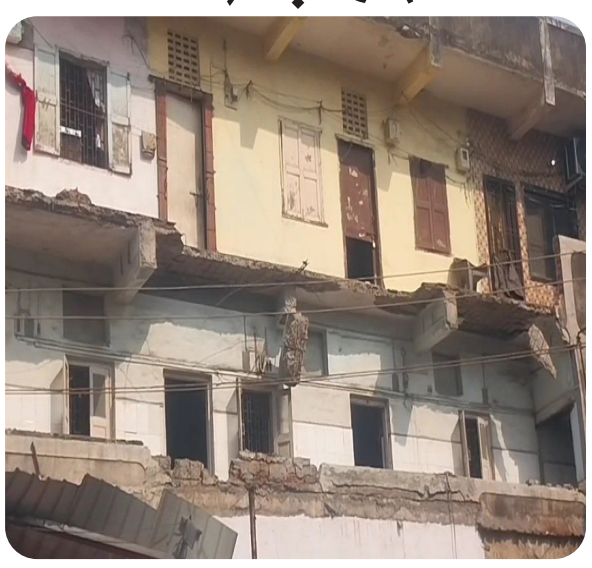
पुलिस ने यह सामान किया बरामद

पुलिस ने आरोपी के पास से सोने की दो अंगूठियां, सोने की चेन, पेंडेंट, चांदी के आभूषण, चांदी की अंगूठी और तीन मोबाइल फोन सहित अन्य सामान बरामद किया है।

फिलहाल कतारगाम पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सूरत के उधना में जर्जर इमारत की बालकनी भरभराकर गिरी,बड़ा हादसा टला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com



सूरत शहर में जर्जर और खतरनाक इमारतों को लेकर प्रशासन की चेतावनियों के बावजूद लोग गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। इसी बीच उधना इलाके में एक और जर्जर इमारत की बालकनी अचानक भरभराकर नीचे गिर गई। गनीमत रही कि हादसा सुबह के समय हुआ, जिसके चलते कोई जनहानि नहीं हुई।

सुबह 5 बजे रोड नंबर 13 पर हुआ हादसा, फायर विभाग की ओर से पहले ही जारी किया गया था नोटिस; मकान और दुकानें खाली करने के दिए गए थे निर्देश।

जानकारी के मुताबिक, उधना के रोड नंबर 13 पर स्थित दो मंजिला पुरानी और जर्जर इमारत की गैलरी सुबह करीब 5 बजे अचानक टूटकर नीचे गिर गई। हादसे के समय सड़क पर लोगों की आवाजाही बेहद कम थी। इसी वजह से एक बड़ा हादसा टल गया।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, सूरत महानगरपालिका के फायर विभाग की ओर से इस इमारत को पहले ही खतरनाक और जर्जर घोषित कर नोटिस जारी किया गया था। इमारत में रहने वाले लोगों और दुकानदारों को मकान तथा दुकानें तत्काल खाली करने की सख्त हिदायत भी दी गई थी।

इसके बावजूद समय रहते इमारत खाली नहीं कराए जाने और लोगों के वहां रहने के कारण सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं।

बड़ा सवाल यह है कि जब प्रशासन की ओर से पहले ही नोटिस जारी किया गया था, तो इमारत को पूरी तरह खाली कराने के लिए क्या कदम उठाए गए थे? क्या किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा?

फिलहाल इस घटना ने शहर की जर्जर इमारतों की सुरक्षा और महानगरपालिका की कार्रवाई को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े कर दिए हैं।

वडोदरा का आर्किटेक्ट बना साइबर माफिया

PI की फर्जी पहचान बताकर करोड़ों की ठगी, डिजिटल अरेस्ट के दो मामलों में भी संलिप्तता; आरोपी बृजेश पटेल गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा शहर में पुलिस इंस्पेक्टर (PI) बनकर नागरिकों को वीडियो कॉल करने और मनी लॉन्ड्रिंग, CBI तथा ड्रग्स केस में फंसाने की धमकी देकर 2.04 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के चार गंभीर मामलों में फरार चल रहे आरोपी को वडोदरा शहर क्राइम ब्रांच ने वासद टोल नाके से गिरफ्तार किया है। अकोटा पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश किया, जहां कोर्ट ने उसके तीन दिन के पुलिस रिमांड मंजूर किए हैं।

आरोपी ने आर्किटेक्चर की पढ़ाई की है और वर्तमान में कंस्ट्रक्शन का व्यवसाय करता है। हालांकि, रातोंरात करोड़पति बनने के लालच में उसने साइबर अपराध की दुनिया में कदम रख दिया।

पुलिस ने आरोपी बृजेश पटेल को गिरफ्तार किया

वडोदरा शहर क्राइम ब्रांच की टीम को तकनीकी जानकारी और ह्यूमन सोर्स के जरिए सूचना मिली थी कि अकोटा और पानीगेट पुलिस स्टेशन के मामलों में वांछित आरोपी बृजेश रामचंद्र पटेल वासद टोल नाके से गुजरने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान बृजेश रामचंद्र पटेल (निवासी: नीलकंठ रेसिडेंसी, मकरपुरा, वडोदरा) के रूप में हुई है। शुरुआती पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं।

PI की फर्जी पहचान देकर लोगों से वसूलता था पैसे

आरोपी वडोदरा के अलावा कच्छ जिले के आदिपुर और गांधीधाम पुलिस स्टेशन क्षेत्रों में भी सक्रिय था। वह पुलिस इंस्पेक्टर की झूठी पहचान बताकर लोगों को अलग-अलग मामलों में फंसाने की धमकी देता था। इस तरह लोगों में डर पैदा कर साइबर धोखाधड़ी के जरिए पैसे वसूलता था।



फिलहाल, इन सभी मामलों में आगे की जांच के लिए आरोपी को अकोटा पुलिस स्टेशन के हवाले किया गया है।

परिचितों और कंपनियों के नाम पर खुलवाए अलग-अलग बैंक खाते

आरोपी द्वारा किए गए अपराधों की जांच में सामने आया है कि अकोटा और पानीगेट पुलिस स्टेशन क्षेत्रों में पहले से योजना बनाकर संगठित तरीके से आपराधिक साजिश रची गई थी।

इंटरनेट के माध्यम से ऑनलाइन ठगी करने के लिए अपने परिचितों और कंपनियों के नाम पर अलग-अलग बैंक खाते खुलवाए गए थे। इन खातों का इस्तेमाल अवैध आर्थिक लाभ प्राप्त करने और अनधिकृत लेनदेन के जरिए लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने के लिए किया जाता था।

मनी लॉन्ड्रिंग, CBI और ड्रग्स केस में फंसाने की धमकी देकर ठगी

इसके अलावा, कच्छ जिले के आदिपुर और गांधीधाम 'ए' डिवीजन पुलिस स्टेशन क्षेत्रों में आरोपी और उसके साथियों द्वारा नागरिकों को फोन किया जाता था। उन्हें बताया जाता था कि उनका पार्सल मुंबई के एल.टी. मार्ग पुलिस स्टेशन द्वारा जब्त कर लिया गया है।

इसके बाद आरोपी खुद को पुलिस इंस्पेक्टर बताकर वीडियो कॉल करता था और मनी लॉन्ड्रिंग, CBI तथा ड्रग्स केस में फंसाने की धमकी देता था। इस तरह लोगों को डराकर ऑनलाइन जबरन लाखों रुपये वसूले जाते थे। शिकायतकर्ताओं को बार-बार मानसिक रूप से प्रताड़ित भी किया जाता था।

साइबर फ्रॉड का शिकार होने पर 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करें: ACP

इस मामले में वडोदरा साइबर क्राइम के ष्ट्रक मयूरसिंह राजपूत ने बताया कि पुलिस कभी भी किसी व्यक्ति को डिजिटल रूप से गिरफ्तार नहीं करती है। इसलिए इस तरह की धमकियों से डरने की जरूरत नहीं है। कानूनी कार्रवाई की एक निर्धारित प्रक्रिया होती है।

उन्होंने आगे कहा कि निवेश के लिए केवल SEBI से रजिस्टर्ड वेबसाइट या प्लेटफॉर्म का ही इस्तेमाल करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति साइबर धोखाधड़ी का शिकार होता है, तो उसे तुरंत साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर संपर्क करना चाहिए।

सुरत में घरेलू विवाद का खूनी अंजाम

पति ने लकड़ी के डंडे से पीट-पीटकर पत्नी की हत्या की,फरार

सूरत शहर के लालगेट पुलिस थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद ने एक दर्दनाक रूप ले लिया। पालिया ग्राउंड इलाके में रहने वाले एक पति ने अपनी 45 वर्षीय पत्नी अरुणाबेन राठौड़ की लकड़ी के डंडे से वार कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी पति अशोक मौके से फरार हो गया।

जानकारी के मुताबिक, अरुणाबेन पिछले दो वर्षों से अपने पति अशोक के साथ पालिया ग्राउंड इलाके में रह रही थीं। वह कबाड़ बीनकर अपना गुजर-बसर करती थीं, जबकि अशोक मजदूरी में राजमिस्त्री का काम करता था। बताया जा रहा है कि बीती रात किसी बात को लेकर दोनों के बीच तीखा विवाद हुआ था।

इसी दौरान गुस्से में आए अशोक ने अरुणाबेन के सिर पर लकड़ी के डंडे से दो से तीन वार कर दिए। सिर में गंभीर चोट लगने के कारण अरुणाबेन की मौके पर ही मौत हो गई। पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी अशोक रात के अंधेरे में घटनास्थल से फरार हो गया।

आज सुबह घटना की सूचना मिलते ही लालगेट पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। मामले में हत्या का अपराध दर्ज कर फरार आरोपी अशोक की तलाश शुरू कर दी गई है।

सूरत पुलिस के एसीपी आर. आर. आहीर ने बताया कि लालगेट थाना क्षेत्र में घरेलू विवाद के चलते पति ने पत्नी के सिर पर लकड़ी से वार किया, जिससे 45 वर्षीय अरुणाबेन की मौत हो गई। आरोपी वारदात के बाद फरार हो गया है। पुलिस ने अलग-अलग टीमें बनाकर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

TAT (HS) परीक्षा में 30 हजार अभ्यर्थी फेल होने पर हंगामा

राज्यभर से अभ्यर्थी पहुंचे गांधीनगर, दोनों पेपर के अंक सार्वजनिक करने और परिणाम की निष्पक्ष जांच की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक शिक्षा क्षेत्र की महत्वपूर्ण परीक्षा 'TAT हायर सेकेंडरी' (TAT-HS) मुख्य परीक्षा के परिणाम को लेकर अभ्यर्थियों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। परीक्षा में करीब 30 हजार अभ्यर्थियों के असफल होने के बाद राज्यभर से बड़ी संख्या में परीक्षार्थी गांधीनगर पहुंचे। यहां सेक्टर-21 स्थित गुजरात राज्य परीक्षा बोर्ड के सामने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया और अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर दोनों पेपर के अंक सार्वजनिक करने के साथ ही परिणाम की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।